



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 3]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 18 जनवरी 2013—पौष 28, शक 1934

विषय-सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट

भाग 2.—स्थानीय निकाय की अधिसूचनाएं,

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं

भाग 4.—(क) (1) मध्यप्रदेश विधेयक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद् में पुरःस्थापित विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) मध्यप्रदेश अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी 2013

क्र. ई-5-536-आयएस-लीव-5-एक.—(1) डॉ. एम. मोहनराव, आयएस., प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग तथा प्रबंध संचालक, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम तथा विमुक्त घुमक्कड़, अर्द्ध घुमक्कड़ जाति कल्याण विभाग को दिनांक 7 से 11 जनवरी 2013 तक, पांच दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा उक्त अवकाश के साथ दिनांक 6 एवं 12, 13, 14 जनवरी 2013 का सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

(2) डॉ. एम. मोहनराव की अवकाश की अवधि में उनका प्रभार श्री पी. सी. मीना, आयएस., प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग को अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक सौंपा जाता है.

(3) अवकाश से लौटने पर डॉ. एम. मोहनराव को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, स्थानापन्न प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग तथा प्रबंध संचालक, अनुसूचित जाति, वित्त एवं विकास निगम तथा विमुक्त घुमक्कड़, अर्द्ध घुमक्कड़ जाति कल्याण विभाग के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है.

(4) डॉ. एम. मोहनराव द्वारा प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग तथा प्रबंध संचालक, अनुसूचित जाति, वित्त एवं विकास निगम तथा विमुक्त घुमक्कड़, अर्द्ध घुमक्कड़ जाति कल्याण विभाग का कार्यभार ग्रहण करने पर श्री पी. सी. मीना उक्त प्रभार से मुक्त होंगे.

(5) अवकाशकाल में डॉ. एम. मोहनराव को अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

(6) प्रमाणित किया जाता है कि यदि डॉ. एम. मोहनराव अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

क्र. ई-5-805-आयएस-लीव-एक-5.—(1) श्री विनोद सिंह बघेल, आयएस., अपर आयुक्त (राजस्व), सागर संभाग, सागर को निम्नांकित अवधियों का अर्जित अवकाश कार्योंतर स्वीकृत किया जाता है:—

1. दिनांक 13 से 20 अगस्त 2012 तक, आठ दिन
(दिनांक 10, 11 एवं 12 अगस्त 2012 के सार्वजनिक अवकाश को जोड़ने की अनुमति के साथ).
2. दिनांक 7 से 12 अक्टूबर 2012 तक, छः दिन
(दिनांक 13 एवं 14 अक्टूबर 2012 के सार्वजनिक अवकाश को जोड़ने की अनुमति के साथ).

(2) अवकाशकाल में श्री विनोद सिंह बघेल को अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

(3) प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री विनोद सिंह बघेल अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

क्र. ई-5-532-आयएस-लीव-एक-5.—(1) श्रीमती सलीना सिंह, आयएस., प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग को समसंख्यक आदेश दिनांक 1 दिसम्बर 2012 द्वारा दिनांक 17 से 31 दिसम्बर 2012 तक, पन्द्रह दिन के स्वीकृत अर्जित अवकाश के अनुक्रम में दिनांक 1 से 5 जनवरी 2013 तक, पांच दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

2. शेष कंडिकाएं समसंख्यक आदेश दिनांक 1 दिसम्बर 2012 अनुसार यथावत् रहेंगी.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. परशुराम, मुख्य सचिव.

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 2012

क्र. एफ-3-5-2012-एक-4.—राज्य शासन, एतद्द्वारा नगरपालिका परिषद् पीथमपुर, जिला धार के आम निर्वाचन 2012 हेतु मतदान दिनांक 17 दिसम्बर 2012 सोमवार को जिले के संबंधित क्षेत्र में सामान्य अवकाश घोषित करता है.

(2) उक्त दिनांक को केवल संबंधित क्षेत्र के लिये पराक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रुमेंट्स एक्ट) 1881 (1881 का क्रमांक 26) की धारा 25 के अन्तर्गत सार्वजनिक अवकाश भी घोषित करता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अमर सिंह चंदेल, उपसचिव.

श्रम विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 2012

क्र. एफ. 9-2-2008-ब-सोलह.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (34 सन् 1948) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन, एतद्द्वारा इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ. 9-2-99-ब-सोलह, दिनांक 5 फरवरी, 2007 के अनुक्रम में इंडियन कॉफी वर्क्स को-ऑपरेटिव सोसायटी, लिमिटेड, जबलपुर को उक्त अधिनियम के प्रावधानों से, दिनांक 1 अक्टूबर 2012 से 30 सितम्बर 2013 तक की अवधि के लिये इस शर्त पर छूट प्रदान करता है कि कर्मचारियों को सोसायटी द्वारा दी जा रही सुविधायें कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा दी जा रही सुविधाओं से कम नहीं होंगी. सोसायटी द्वारा वर्तमान में दी जा रही सुविधाओं के अतिरिक्त कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा दिया जाने वाला रिहबिलिटेशन अलाउंस की सुविधा भी प्रदान की जावेगी.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
संजीव श्रीवास्तव, उपसचिव.

आवास एवं पर्यावरण विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 2012

क्र. एफ-24-01-2012-बत्तीस-1.—राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश स्थान नियंत्रण अधिनियम, 1961 की धारा 28 (1) के अन्तर्गत जिला ग्वालियर के निम्नांकित अधिकारियों को कालम क्रमांक (3) में अंकित कार्यक्षेत्र के लिए भाड़ा नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किये जाने की सहमति प्रदान की जाती है:—

क्र. (1)	अनुविभागीय अधिकारी (2)	कार्य क्षेत्र (3)
1	अनुविभागीय अधिकारी, डबरा	अनुविभाग डबरा
2	अनुविभागीय अधिकारी, ग्वालियर (शहरी).	शहरी वृत्त कुलैथ, पुरानी छावनी, बहोड़ापुर.
3	अनुविभागीय अधिकारी, ग्वालियर (ग्रामीण).	वृत्त सिरसौद, सुपावली, उटीला बेहट, हस्तिनापुर.
4	अनुविभागीय अधिकारी, झांसी रोड	वृत्त महलगांव, मेहरा
5	अनुविभागीय अधिकारी, लश्कर.	वृत्त लश्कर, गिरवाई
6	अनुविभागीय अधिकारी, घाटीगांव.	वृत्त घाटीगांव, रेंहट, मोहना, बरई.
7	अनुविभागीय अधिकारी, मुरार.	वृत्त मुरार एवं बड़ागांव
8	अनुविभागीय अधिकारी, भितरवार.	अनुभाग भितरवार

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. एल. अहिरवार, उपसचिव.

विधि एवं विधायी कार्य विभाग

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 2013

फा. क्र. 4-1-2002-इक्कीस-ब(एक).—राज्य शासन, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 14 अगस्त 2002 के अनुक्रम में उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर, मध्यप्रदेश कुटुम्ब न्यायालय अधिनियम, 1984 (1984 का सं. 66) की धारा 4 के अधीन इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 मार्च 2002 द्वारा गठित कुटुम्ब न्यायालय में मध्यप्रदेश कुटुम्ब न्यायालय नियम, 2002 के नियम 3(3) के अन्तर्गत उच्च न्यायिक सेवा के सदस्य को उनके नाम के सम्मुख दर्शाये गये कुटुम्ब न्यायालय में उनके कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से आगामी आदेश होने अथवा अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने (जो भी पहले हो) तक सारणी में वर्णित स्थान पर नियुक्त करता है:—

उच्च न्यायिक अधिकारियों को देय वेतन तथा भत्तों का निर्धारण मध्यप्रदेश कुटुम्ब न्यायालय नियम, 2002 के नियम 3(3) के अन्तर्गत होगा.

क्र.	न्यायिक अधिकारी का नाम एवं वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना एवं कुटुम्ब न्यायालय का मुख्यालय नाम
(1)	(2)	(3)
1	कु. भारती बघेल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अशोकनगर.	प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, इन्दौर
2	श्री हरि निवास बाजपेयी, विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जाति/ जनजाति (अत्याचार निवारण), अजयपुर, उज्जैन.	प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, इन्दौर.
3	श्री राधा कृष्ण गुप्ता, विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जाति/ जनजाति, (अत्याचार निवारण), अधिनियम, कटनी.	प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रीवा.
4	श्री मो. शमीम, विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जाति/ जनजाति, (अत्याचार निवारण), अधिनियम, देवास.	अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, उज्जैन.
5	श्री राजीव कृष्ण जोशी, विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जाति/ जनजाति (अत्याचार निवारण), अधिनियम, बैतूल.	प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, जबलपुर.

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 2013

फा. क्र. 3(ए)-2-2012-इक्कीस-ब(एक).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 233 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, उच्च न्यायालय के परामर्श से मध्यप्रदेश शासन निम्नलिखित सिविल न्यायाधीशगण (वरिष्ठ श्रेणी), को मध्यप्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा (भर्ती तथा सेवा शर्तें) नियम, 1994 यथासंशोधित नियम 5 (1) (ए) के अन्तर्गत उनके कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से

अस्थायी रूप से आगामी आदेश होने तक, जिला न्यायाधीश (प्रवेश स्तर), वेतनमान रुपये 51550—1230— 58930—1380— 63070 के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करता है:—

1. श्री हरीश कुमार कौशिक, द्वितीय ए.डी.जे. के अतिरिक्त न्यायाधीश एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, दतिया.
2. श्री अनिल कुमार सिंह, द्वितीय ए.डी.जे. के अतिरिक्त न्यायाधीश एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, बासौदा, जिला विदिशा.
3. श्री संजय कुमार द्विवेदी, द्वितीय ए.डी.जे. एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, मऊगंज, जिला रीवा.
4. श्री किशना अतुलकर, ए.डी.जे. एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, अमरवाड़ा, जिला छिन्दवाड़ा.
5. श्री प्रकाश चन्द्रा, षष्ठम ए.डी.जे. एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, उज्जैन.
6. श्री प्रकाश चन्द्र आर्य, द्वितीय ए.डी.जे. के अतिरिक्त न्यायाधीश एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, बासौदा, जिला विदिशा.
7. श्री भूपेन्द्र कुमार सिंह, चतुर्थ ए.डी.जे. एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, महू, जिला इन्दौर.
8. श्री भूरालाल प्रजापति, द्वितीय ए.डी.जे. एवं पीठासीन अधिकारी, फास्टट्रैक न्यायालय, जावरा, जिला रतलाम.

फा. क्र. 3-(ए) 10-06-इक्कीस-ब(एक) संशोधित आदेश.—राज्य शासन इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 5 जनवरी 2013 को संशोधित करते हुए रिट याचिका क्रमांक 18563/06 (एस) अशोक कुमार जैन विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 27 नवम्बर 2012 के आलोक में उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर इस विभाग के आदेश क्रमांक 3 (ए) 10-06-इक्कीस-ब (एक), दिनांक 22 अगस्त 2006 एवं संशोधित आदेश क्रमांक 3 (ए) 10-06-इक्कीस-ब (एक), दिनांक 25 अगस्त 2006 को निरस्त करते हुए, श्री अशोक कुमार जैन, तत्समय निलंबित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सतना, मुख्यालय धार, को उसी स्थिति में, दिनांक 2 सितम्बर 2006 के अपराह्न से सेवा में बहाल करता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. डी. खान, प्रमुख सचिव.

भोपाल, दिनांक 9 जनवरी 2013

फा. क्र. 17-ई-110-2006-इक्कीस-ब(दो).—राज्य शासन श्री एफ. एम. खान, नोटरी अधिवक्ता, जिला मुख्यालय, सिवनी में नोटरी व्यवसाय करने हेतु दिनांक 19 जुलाई 2001 को नोटरी

व्यवसाय प्रमाण-पत्र जारी किया गया था, परन्तु उनकी दिनांक 22 जून 2012 को मृत्यु हो जाने के फलस्वरूप आदेश जारी होने के दिनांक से जिला मुख्यालय सिवनी जिले में नोटरी व्यवसाय करने का प्रमाण-पत्र निरस्त किया जाता है तथा उनका नाम नोटरी पंजी रजिस्टर से विलोपित किया जाता है।

फा. क्रमांक 17-ई-166-2008-इक्कीस-ब(दो).—राज्य शासन श्री जितेन्द्र कुमार दुग्गड़, नोटरी अधिवक्ता, तहसील महल्लारगढ़, जिला मन्दसौर में नोटरी व्यवसाय करने हेतु दिनांक 18 जून 2008 को नोटरी व्यवसाय प्रमाण-पत्र जारी किया गया था, परन्तु उनका स्वर्गवास दिनांक 31 मई 2009 को हो जाने के फलस्वरूप आदेश जारी होने के दिनांक से तहसील महल्लारगढ़, जिला मन्दसौर में

नोटरी व्यवसाय करने का प्रमाण-पत्र निरस्त किया जाता है तथा उनका नाम नोटरी पंजी रजिस्टर से विलोपित किया जाता है।

फा. क्रमांक 17-ई-183-2006-इक्कीस-ब(दो).—राज्य शासन, श्री चन्द्रभान सिंहई, नोटरी अधिवक्ता, तहसील खुरई, जिला सागर में नोटरी व्यवसाय करने हेतु दिनांक 5 अगस्त 1992 को नोटरी व्यवसाय प्रमाण-पत्र जारी किया गया था, परन्तु उनका स्वर्गवास दिनांक 23 मार्च 2012 को हो जाने के फलस्वरूप आदेश जारी होने के दिनांक से तहसील खुरई, जिला सागर में नोटरी व्यवसाय करने का प्रमाण-पत्र निरस्त किया जाता है तथा उनका नाम नोटरी पंजी रजिस्टर से विलोपित किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जे. एम. चतुर्वेदी, सचिव.

वन विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 2013

क्र. एफ-25-40-2012-दस-3.—मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक एफ. 15-8-2009-दस-2, भोपाल, दिनांक 5 अक्टूबर 2010 से सामान्य वनमण्डल दक्षिण छिन्दवाड़ा के 4020.505 हे. क्षेत्र का पेच टाईगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में शामिल किये जाने की अधिसूचना जारी होने के फलस्वरूप मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक 110-X-1-6-1-83, दिनांक 6 जनवरी 1983 में आंशिक संशोधन करते हुए, राज्य शासन द्वारा सामान्य वनमण्डल दक्षिण छिन्दवाड़ा की सीमा/प्रबंधन क्षेत्र का निम्नानुसार पुनर्गठन किया जाता है:—

क्र.	वृत्त का नाम	जिले का नाम	वनमंडल का नाम (मुख्यालय)	उप वनमंडल का नाम (मुख्यालय)	क्षेत्र (वर्ग कि.मी.)	सम्मिलित परिक्षेत्रों का नाम (मुख्यालय)	उप वनमंडलों की सीमाओं का विवरण	वनमण्डल की सीमाओं का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	छिन्दवाड़ा	छिन्दवाड़ा	दक्षिण छिन्दवाड़ा सामान्य (छिन्दवाड़ा)	सिल्लेवानी (छिन्दवाड़ा)	382.355	बिछुआ (बिछुआ) सिल्लेवानी (रामाकोना) लावाघोघरी (छिन्दवाड़ा)	उत्तर—पश्चिम वनमंडल के सांवरी परिक्षेत्र एवं पूर्व वनमंडल के चौरई परिक्षेत्र की सीमा. पूर्व—पेंच टाईगर रिजर्व की बफर क्षेत्र की सीमा. दक्षिण—कान्हान, सौंसर एवं अम्बाड़ा परिक्षेत्रों की सीमा. पश्चिम—बैतूल जिले की सीमा.	उत्तर—पश्चिम छिन्दवाड़ा एवं पूर्व छिन्दवाड़ा वनमंडलों की सीमा. पूर्व—पेंच टाईगर रिजर्व के बफर जोन की अधिसूचित सीमा. दक्षिण—महाराष्ट्र राज्य की सीमा. पश्चिम—बैतूल जिले की सीमा.
				सौंसर (सौंसर)	574.248	अम्बाड़ा (सौंसर)	उत्तर—पूर्व वनमंडल एवं लावाघोघरी, सिल्लेवानी तथा बिछुआ परिक्षेत्र की सीमा. पूर्व—पेंच टाईगर रिजर्व की बफर क्षेत्र एवं महाराष्ट्र राज्य की सीमा. दक्षिण—महाराष्ट्र राज्य की सीमा. पश्चिम—बैतूल जिले की सीमा.	
						सौंसर (सौंसर)		
						कान्हान (सौंसर)		
						पांडुर्णा (पांडुर्णा)		
योग . .					956.603			

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
प्रशान्त कुमार, सचिव.

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 2013

क्र. एफ 25-40-2012-दस-3.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 25-40-2012-दस-3, दिनांक 7 जनवरी 2013 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
प्रशान्त कुमार, सचिव.

Bhopal, the 7th January 2013

No. F. 25-40-2012-X-3.—*Vide* Government of Madhya Pradesh, Forest Department Notification No. F. 15-08-2009-X-2, Bhopal, dated 5th October 2010, 4020.505 ha. forest area of South Chhindwara Territorial Forest Division has been included in the Buffer Zone of Pench Tiger Reserve. Due to above changes the boundary/management area of South Chhindwara Territorial Forest Division is reorganised by partially amending the Notification No. 110-X-1-6-1-83, dated 6th January 1983, of Government of Madhya Pradesh Forest Department as under :—

S.No.	Name of Circle	Name of District	Name of Forest Division (Head quarter)	Name of Forest Sub-Division (Head quarter)	Area (Sq. km.)	Name of Ranges (Head quarter)	Details of Forest Sub-Division boundary	Details of Forest Division boundary
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
	Chhindwara	Chhindwara	South Chhindwara (T.) (Chhindwara)	Sillewani (Chhindwara)	382.355	Bichhua (Bichhua)	North —Boundary of Saori Range of West Chhindwara Forest Division and Chourai Range of East Chhindwara Forest Division.	North —Boundary of West & East Chhindwara Forest Divisions.
						Sillewani (Ramakona)		
						Lawaghogri (Chhindwara)	East —Notified boundary of Buffer Zone of Pench Tiger Reserve.	East —Notified boundary of Buffer Zone of Pench Tiger Reserve.
							South —Kanhan, Sousar & Ambada Range boundary.	South —Boundary of Maharashtra State.
							West —Boundary of Betul District.	West —Boundary of Betul District.
				Sausar (Sausar)	574.248	Ambara (Sausar)	North —East Chhindwara Forest Division and Lawaghoghri, Sillewani & Bichhua Range boundary.	
						Sausar (Sausar)	East —Notified boundary of Buffer Zone of Pench Tiger Reserve and boundary of Maharashtra State.	
						Kanhan (Sausar)	South —Boundary of Maharashtra State.	
						Pandurna (Pandurna)	West —Boundary of Betul District.	
Total . .					956.603			

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
PRASHANT KUMAR, Secy.

विभाग प्रमुखों के आदेश

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत् वितरण कम्पनी लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय ब्लाक नं. 7, शक्तिभवन, रामपुर,

जबलपुर—482008 (म. प्र.)

जबलपुर, दिनांक 16 नवम्बर 2012

आदेश

क्र.-अ.स.-पूर्व क्षेत्र-अ.से.नि.-7336.—मध्यप्रदेश शासन, ऊर्जा विभाग के आदेश क्रमांक 2988-F-RS-17-XIII-2002, दिनांक 10 अप्रैल 2012 द्वारा पूर्ववर्ती म.प्र.रा.वि.म. के कर्मचारियों/अधिकारियों की सेवाओं का अंतिम अंतरण एवं आमेलन उत्तरवर्ती कंपनियों में कर दिया गया है. अतः पूर्ववर्ती मण्डल के आदेश क्रमांक 01-13-3398-11, दिनांक 5 अप्रैल 2007 में अभ्यावेदन समिति गठित किये जाने हेतु निर्धारित प्रावधान के तहत कंपनी क्षेत्रान्तर्गत अनिवार्य सेवानिवृत्त किये गये प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों से अनिवार्य सेवानिवृत्ति आदेश के विरुद्ध प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार किये जाने हेतु पूर्व क्षेत्र कंपनी स्तर पर निम्नानुसार अभ्यावेदन समिति गठित की जाती है:—

- | | |
|-----------------------------|---------------|
| 1. प्रबंध संचालक | -अध्यक्ष |
| 2. कार्यपालक निदेशक (कार्य) | -सदस्य |
| 3. मुख्य वित्तीय अधिकारी | -सदस्य |
| 4. अतिरिक्त सचिव | -सदस्य |
| 5. उप सचिव-एक | -सदस्य संयोजक |

समिति के निष्कर्ष कंपनी के अध्यक्ष, प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेन्ट कंपनी लिमिटेड जबलपुर के अनुमोदन उपरान्त प्रभावशील होंगे.

आदेशानुसार,

पी. एस. टेकाम, अतिरिक्त सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जबलपुर, मध्यप्रदेश

जबलपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 2012

क्र. 11473-स.अ.(का.)-2012.—मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक एम-3-2-1999-1-4, भोपाल दिनांक 30 मार्च 1999 के द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुये, मैं, गुलशन बामरा, कलेक्टर, जबलपुर वर्ष 2013 के लिये जिला जबलपुर के लिये पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश

आदेश क्रमांक 10252-स.अ.(का.)12, जबलपुर, दिनांक 23 नवम्बर 2012 की कंडिका 2 में होली (भाई दूज) दिनांक 29 मार्च 2013 शुक्रवार के लिये घोषित अवकाश निरस्त किया जाता है तथा 29 मार्च 2013 के स्थान पर अब दिनांक 28 मार्च 2013 को होली का दूसरा दिन (गुरुवार) को स्थानीय अवकाश रहेगा. शेष पूर्व घोषित अवकाश पूर्ववत् रहेंगे.

गुलशन बामरा, कलेक्टर.

आर. सी. वी. पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी

मध्यप्रदेश, भोपाल

(विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ)

संशोधित अधिसूचना

भोपाल, दिनांक 9 जनवरी 2013

क्र. 266-3453-अका-विपप्र-2012.— राज्य शासन द्वारा विभागीय परीक्षा माह अगस्त, 2012 को प्रश्नपत्र-प्रथम वन विधि (बिना पुस्तकों के) दिनांक 8 अगस्त 2012 को सम्पन्न हुआ था, की विभागीय अधिसूचना क्रमांक 8302-2012, दिनांक 1 नवम्बर 2012 को जारी किया गया था, में निम्नानुसार आंशिक संशोधन किया जाता है:—

क्रमांक	परीक्षार्थी का नाम	पदस्थापना	पूर्व में अंकित नाम	संशोधन उपरान्त
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	श्रीमती संगीता सिंह	वन क्षेत्रपाल	रीवा संभाग	शहडोल संभाग
2	कु. प्रीति शाक्य	वन क्षेत्रपाल	रीवा संभाग	शहडोल संभाग
3	श्री मनोज कुमार वास्कले	वन क्षेत्रपाल	रीवा संभाग	शहडोल संभाग
4	श्री राम कुमार	वन क्षेत्रपाल	शहडोल संभाग	भोपाल संभाग
5	श्री आर. के. सिंह	वन क्षेत्रपाल	शहडोल संभाग	भोपाल संभाग

क्र. 268-अका-विपप्र-2013.—राज्य शासन द्वारा विभागीय परीक्षा माह अगस्त 2012 से संबंधित अधिसूचना क्रमांक 7974-3468-अका-विपप्र-2012, दिनांक 15 अक्टूबर 2012 को प्रश्नपत्र-प्रथम दाण्डिक विधि तथा प्रक्रिया (पुस्तकों सहित-केवल अधिनियम) में जबलपुर संभाग से सम्मिलित परीक्षार्थी श्री चंद्र प्रताप गहलोत, डिप्टी कलेक्टर अंकित है के स्थान पर अब श्री चंद प्रताप गोहल, डिप्टी कलेक्टर पढ़ा जाय.

(2) अधिसूचना क्रमांक 7903-3464-अका-विपप्र-2012, दिनांक 12 अक्टूबर 2012 द्वारा जारी प्रश्नपत्र-लेखा प्रथम एवं द्वितीय (पुस्तकों सहित) में जबलपुर संभाग से सम्मिलित परीक्षार्थी श्री चंद्र प्रताप गहलोत, डिप्टी कलेक्टर अंकित है के स्थान पर अब श्री चंद्र प्रताप गोहल, डिप्टी कलेक्टर पढ़ा जाए.

(3) अधिसूचना क्रमांक 7683-3466-अका-विपप्र-2012, दिनांक 4 अक्टूबर 2012 द्वारा जारी प्रश्नपत्र-पंचायत राज विधि तथा प्रक्रिया (पुस्तकों सहित) में जबलपुर संभाग से सम्मिलित परीक्षार्थी श्री चंद्र प्रताप गहलोत, डिप्टी कलेक्टर अंकित है के स्थान पर अब श्री चंद्र प्रताप गोहल, डिप्टी कलेक्टर पढ़ा जाए.

(4) अधिसूचना क्रमांक 7685-3469-अका-विपप्र-2012, दिनांक 4 अक्टूबर 2012 द्वारा जारी प्रश्नपत्र-प्रशासनिक राजस्व विधि तथा प्रक्रिया-तृतीय (राजस्व के मामले में आदेश का लिखा जाना) में जबलपुर संभाग से सम्मिलित परीक्षार्थी श्री चंद्र प्रताप गहलोत, डिप्टी कलेक्टर अंकित है के स्थान पर अब श्री चंद्र प्रताप गोहल, डिप्टी कलेक्टर पढ़ा जाए.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
गोपा पाण्डेय, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला शाजापुर, मध्यप्रदेश

शाजापुर, दिनांक 4 जनवरी 2013

क्र. सामान्य-एक-2013-7-8.—क्रमांक एफ 59-01-04 मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के अधिसूचना क्रमांक 3-3-1999-एक-4, दिनांक 30 मार्च 1999 द्वारा सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग दो के अनुक्रम-4 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, श्री प्रमोद गुप्ता, कलेक्टर जिला शाजापुर वर्ष 2013 के लिये निम्नानुसार दिनांकों को स्थानीय अवकाश घोषित करता हूँ:—

अ. क्र. (1)	नाम त्यौहार (2)	दिनांक (3)	वार (4)	क्षेत्र (5)
1	बाबा बैजनाथ महादेव की अंतिम सवारी.	19 अगस्त 2013	सोमवार	केवल आगर अनुभाग हेतु.
2	गणेश चतुर्थी	9 सितम्बर 2013	सोमवार	आगर अनुभाग को छोड़कर.
3	दशहरे का दूसरा दिन	14 अक्टूबर 2013	सोमवार	सम्पूर्ण जिला
4	दिपावली का दूसरा दिन	4 नवम्बर 2013	सोमवार	सम्पूर्ण जिला

प्रमोद गुप्ता, कलेक्टर

संचालनालय, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, मध्यप्रदेश, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 दिसम्बर 2012

क्र.-गन्ना-एस-3-क्षे.रा.-12-13-424.—मध्यप्रदेश गन्ना (प्रदाय एवं क्रय नियमन) अधिनियम, 1958 की धारा 15 एवं 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, मैं, डॉ. डी.एन. शर्मा, गन्ना आयुक्त, मध्यप्रदेश, भोपाल गन्ना पैराई मौसम वर्ष 2012-13 हेतु रामदेव शुगर मिल प्रा. लि. ग्राम ठैनी बनखेड़ी, जिला होशंगाबाद, मध्यप्रदेश के लिए नीचे दर्शाये केन्द्रों एवं उनके अंतर्गत आने वाले ग्रामों के सम्मुख उल्लेखित गन्ना क्षेत्र को रक्षित घोषित करता हूँ:—

क्र. (1)	जिला/तहसील (2)	क्रय केन्द्र (3)	ग्रामों की संख्या (4)	क्षेत्र (हेक्टेयर में) (5)
1	होशंगाबाद	ठैनी	6	401.8
2	होशंगाबाद	रहटवाड़ा	5	330.8
3	होशंगाबाद	प. पिपरिया	12	371.4
4	होशंगाबाद	मल्हनवाड़ा	11	328.4
5	होशंगाबाद	बनखेड़ी	14	428.6
6	होशंगाबाद	वाचावानी	10	511.00
7	होशंगाबाद	ईशरपुर	8	336.6
8	होशंगाबाद	कपूरी	9	138.0
9	होशंगाबाद	चांदौन	11	365.8
10	होशंगाबाद	उमरधा	10	156.6
11	होशंगाबाद	ईमलिया	5	104.0
12	होशंगाबाद	कन्हवार	20	271.6
योग :			121	3744.6

उपरोक्त गन्ना खरीदी केन्द्रों के अंतर्गत जो ग्राम सम्मिलित किए गये हैं, उनकी सूची संलग्न है. यह आदेश जब तक, इस हेतु समपरिवर्तन अथवा अपरिवर्तन आदेश अलग से प्रसारित नहीं किये जाते, तब तक पैराई कार्य में प्रभावशाली रहेंगे.

डी. एन. शर्मा, गन्ना आयुक्त.

रामदेव शुगर प्रा. लि. ठैनी, बनखेड़ी, जिला होशंगाबाद
पिराई सत्र 2012-13 गन्ना क्षेत्र आरक्षण रकबा (हेक्टेयर में)

ठैनी जोन

क्र.	गांव का नाम	पटवारी ह.नं.	नोरपा	जड़ी	मड़ी	कुल हे.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	ठैनी	23	18	13.6	4.8	36.4
2	मनकवाड़ा	31	37	13.2	16	66.2
3	लामटा	30	55.2	20.4	15.2	90.8
4	तिंदवाड़ा	30	22	7.2	3.6	32.8
5	मछेरा खुर्द	26	25.2	20.8	16	62.0
6	मछेरा कलों	26	61.6	41.6	10.4	113.6
कुल			219	116.8	66	401.8

रहटवाड़ा जोन

7	रहटवाड़ा	41	89.8	78.4	19.4	187.6
8	नंगवाड़ा	38	28.8	17.6	3.2	49.6
9	दहलवाड़ा कलों	42	37	19.4	1.6	58
10	जोगीवाड़ा	40	13	4	2.2	19.2
11	जूनावानी ढाना	51	12.2	4.2	0	16.4
कुल			180.8	123.6	26.4	330.8

प. पिपरिया जोन

12	प. पिपरिया	14	21	16.6	16.2	53.8
13	जुन्हैटा	39	23.8	6.8	4	34.6
14	खापा	39	3.6	8	0.4	12
15	खर्चली	40	7.6	9	0	16.6
16	कामती	54	29	33.2	22.8	85
17	मुर्गीढाना	55	6.8	17.8	0	24.6
18	कोठरी	53	8	1.6	0	9.6
19	केंकड़ा		13.6	18	0	31.6
20	पथरकुही	40	27.6	31.6	14	73.2
21	पीपरपानी	52	13.6	6.8	0	20.4
22	खापा (कामती)	54	1.6	4	0	5.6
23	बिज्ञनयाई	56	4.4	0	0	4.4

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
मालहनवाड़ा ज़ोन						
24	मालहनवाड़ा	28	50	35.6	2	87.6
25	पनागर	39	11.6	9.2	13.6	34.4
26	ढाना	39	5.6	1.6	1.6	8.8
27	बहरावन	27	19.8	6.4	2	28.2
28	परसवाड़ा	27	36.2	10	7	53.2
29	नौदना	27	18.4	15.4	5.2	39
30	रिछैड़ा	16	0	0	0.6	0.6
31	सुरेला रंधीर	16	5.6	7.6	6.2	19.4
32	अन्हाई	15	10	5.6	9.2	24.8
33	सलैया फेंजू	13	3.2	2	0	5.2
34	पुरैना रंधीर	13	16.8	3.2	7.2	27.2
कुल			177.2	96.6	54.6	328.4
बनखेड़ी ज़ोन						
35	नयाखेड़ा	37	11.8	11	1.2	24
36	चिल्लौद	37	25.4	11.4	13	49.8
37	बंदरझेला	37	9.2	6	0.8	16
38	बनखेड़ी	37	22	16.8	6.4	45.2
39	बिचुआ	45	14.8	2.8	1.6	19.2
40	दहलवाड़ा खुर्द	45	25.2	4	0	29.2
41	सिंगपुर	45	38.4	12.4	1.6	52.4
42	पडरई	45	13.2	6.8	2	22
43	फासीढाना	45	7.2	0	0	7.2
44	बेरखेड़ी	44	14.8	2	2	18.8
45	कलकुही	40	46.4	19.2	20.8	86.4
46	पोंजरा	44	35.2	13.2	7.2	55.6
47	महुआखेड़ा (फतेहपुर)	49	2.4	0	0	2.4
48	मेंदाखेड़ा	48	0.4	0	0	0.4
कुल			266.4	105.6	56.6	428.6
बाचावानी ज़ोन						
49	बघेड़ी	36	6.8	0	0	6.8
50	बाचावानी	36	137.6	87.6	33.6	258.8
51	कुर्सीढाना	35	8	4.8	0.8	13.6
52	पोड़ी	37	6	0.8	2	8.8
53	केमढाना	46	21.8	6.8	2.8	31.4
54	कजियाखेड़ा	36	10.4	2	0	12.4
55	आंध्रा	46	40	23.2	10	73.2
56	रजोला	27	31.6	22	1.6	55.2
57	बकांज	27	1.6	4	0	5.6
58	सिगौड़ी	30	15.6	18.8	10.8	45.2
कुल			279.4	170	61.6	511

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
ईशरपुर जोन						
59	खमरिया	33	33.2	12.4	18	63.6
60	करैया	33	8	4	0	12
61	राजथरी	33	40.4	20.2	6.4	67
62	गरधा	31	18	6	3.2	27.2
63	ईशरपुर	32	47.6	44.6	14.8	107
64	गुंदरई	32	32.4	13	0.8	46.2
65	गोंदलवाड़ा	21	4.4	0	0	4.4
66	सीरावाड़ा	34	8.4	0.8	0	9.2
कुल			192.4	101	43.2	336.6
कपूरी जोन						
67	चारगांव	11	18.4	17	0	35.4
68	खमखेड़ी	31	25.2	3.2	2.8	31.2
69	जासरवानी	11	4.6	0.8	0	5.4
70	कपूरी	12	14	11.6	0	25.6
71	आमगांव	17	6.8	5.6	0	12.4
72	अम्हौरा	04	3.6	2	0	5.6
73	महुआखेड़ा	20	3.6	1.2	3.2	8
74	जमनिया	17	1.2	2	0.4	3.6
75	सेमखेड़ा	09	10.8	0	0	10.8
कुल			88.2	43.4	6.4	138
चाँदोन जोन						
76	चाँदोन	09	43.6	17.6	8.8	70
77	कुड़ारी	09	3.2	2.8	0	6
78	भैरोपुर	10	23.2	12.4	14	49.6
79	घुघावाड़ी	10	4.4	3.2	2	9.6
80	धारपुरा	10	3.6	2.4	1.6	7.6
81	करपा	07	40.8	12	3.6	56.4
82	बाम्हनवाड़ा	11/22	10.4	8.4	3.2	22
83	मेहंगवा	11/23	37.6	10.8	2.8	51.2
84	खैरी किशोर	11/23	1.4	7.2	2	10.6
85	कलंगवा	11/22	1.2	0	0	1.2
86	निभौरा	08	41.2	18	22.4	81.6
कुल			210.6	94.8	60.4	365.8
उमरधा जोन						
87	तिंसरी	01	19.2	3.6	3.2	26
88	जूनावानी	05	1.2	7.8	0	9
89	पुरैना कॅला	04	9.2	19.2	3	31.4
90	बनवारी	03	2.8	4	2	8.8
91	समनापुर	02	2	16.6	0	18.6
92	बुधनी	03	6	1.6	0	7.6

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
93	गड़रौली	05	4	2	2.4	8.4
94	उमरधा	01	10.2	5.6	7.4	23.2
95	गाडरवारा खुर्द	06	14.4	4.2	4.2	22.8
96	सलैया किशोर		0.8	0	0	0.8
		कुल	69.8	64.6	22.2	156.6

ईमलिया ज़ोन

97	मलकजरा	11	25.6	3.6	0	29.2
98	बेदर	10	2.8	0	0	2.8
99	भाट पिपरिया	06	5.6	3.6	0	9.2
100	ईमलिया	10	31.8	6.4	2.8	41
101	मेहरागांव	29	19.4	2.4	0	21.8
		कुल	85.2	16	2.8	104

कन्हवार ज़ोन

102	कन्हवार	28	7.6	5.2	1.6	14.4
103	पारखी	19	1.2	0	0	1.2
104	सिरपन	26	20.8	20	13.2	54
105	खैरूआ	25	4.4	4.4	0	8.8
106	पड़खरा	26	1.6	0.8	0	2.4
107	डुंगरिया	10	7.6	2.8	6.4	16.8
108	ईटुआ	26	1.6	1.6	0	3.2
109	देवरी	10	55.2	8	3.2	66.4
110	शंखनी	11	3.6	0	0.8	4.4
111	पुनौर	05	16.4	10	2	28.4
112	सोजनी	09	0	1.2	2.4	3.6
113	सेमरीतला	07	0.8	0	2.4	3.2
114	माधनी		0.4	0	10	10.4
115	शिवनी	02	2.4	0	3.2	5.6
116	सर्रा	01	1.6	1.6	0	3.2
117	खापरखेड़ा	10/15	0	0	2.4	2.4
118	पोसेरा	12/24	8.8	7.2	6	22
119	मेहलवाड़ा	15	0.8	0	0	0.8
120	बोंसखेड़ा	29	6	12.8	0	18.8
121	रामपुर	16/22	0.8	0	0.8	1.6
122	बरुआढाना	17				
		कुल	141.6	75.6	54.4	271.6

राज्य शासन के आदेश राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला ग्वालियर, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

ग्वालियर, दिनांक 7 दिसम्बर 2012

क्र. 138-अ-82-11-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के अनुसार प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ग्वालियर	भितरवार	डोंगरपुर	4.32	कार्यपालन यंत्री, हरसी उच्चस्तरीय	हरसी उच्चस्तरीय नहर की शाखा
		योग . .	4.32	नहर संभाग क्र. 1, डबरा.	एवं उपशाखा नहर के निर्माण हेतु.

(2) भूमि का नक्शा (प्लान) न्यायालय भू-अर्जन अधिकारी, ग्वालियर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

ग्वालियर, दिनांक 17 दिसम्बर 2012

क्र. 133-अ-82-11-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के अनुसार प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ग्वालियर	चीनौर	उर्वा	5.17	कार्यपालन यंत्री, हरसी उच्चस्तरीय	हरसी उच्चस्तरीय नहर की शाखा
		योग . .	5.17	नहर संभाग क्र. 1, डबरा.	एवं उपशाखा के निर्माण हेतु.

(2) भूमि का नक्शा (प्लान) न्यायालय भू-अर्जन अधिकारी, ग्वालियर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. नरहरि, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायसेन, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

रायसेन, दिनांक 24 दिसम्बर 2012

प्र. क्र. 1-अ-82-12-13.—चूँकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन						धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	कुल रकबा (हेक्टेयर में)	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)		(4)		(5)	(6)
रायसेन	बाडी	विसैर	41	0.680	0.097	कार्यपालन यंत्री, लो. नि. वि. संभाग, रायसेन.	देहरीकलां, खपरिया, विसैर मार्ग हेतु.
			43	1.761	0.161		
			योग . .	2.441	0.258		

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) एवं अर्जित की जाने वाली भूमि का विवरण अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, बरेली, जिला रायसेन के कार्यालय में देखा जा सकता है.

प्र. क्र. 8-अ-82-11-12.—चूँकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि निम्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने 5 में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का विवरण						धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	कुल रकबा (हे. में)	अर्जित किये जाने वाला रकबा (हे. में)		
(1)	(2)	(3)		(4)		(5)	(6)
रायसेन	बेगमगंज	मडिया गुसाई	320/1	0.169	0.141	अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, सिलवानी.	सड़क निर्माण हेतु
	—''—	—''—	333/321	1.104	0.040		
	—''—	—''—	313, 314/1	1.840	0.486		

(1)	(2)	(3)	(4)			(5)	(6)
रायसेन	बेगमगंज	मडिया गुसाई	320/2	0.349	0.141	अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, सिलवानी.	सड़क निर्माण हेतु
-''-	-''-	-''-	313, 314/2	1.660	0.085	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	135, 174/1	0.591	0.194	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	135, 174/2	0.591	0.222	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	135, 174/3	0.587	0.222	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	133, 134/1	0.671	0.178	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	132/1	0.602	0.121	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	106, 109, 112/3	1.011	0.506	-''-	-''-
-''-	खैरी ता. चौका	-''-	127/1	0.145	0.041	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	113	1.862	0.202	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	127/2	0.142	0.024	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	125	0.304	0.105	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	111	0.721	0.008	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	119/1/1	1.295	0.342	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	119/1/2	1.533	0.384	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	119/2	1.186	0.005	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	114	0.664	0.321	-''-	-''-
-''-	बोरिया जागीर	-''-	10	1.137	0.282	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	11	0.542	0.073	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	7	3.498	0.302	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	6/1	1.619	0.405	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	12	1.655	0.344	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	13, 14	0.272	0.061	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	28/1	0.902	0.263	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	28/2	1.619	0.105	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	27	0.324	0.121	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	30/1	1.141	0.202	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	30/2	0.809	0.220	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	30/3	0.530	0.024	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	31/1	0.279	0.116	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	31/2	0.809	0.153	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	31/3	0.809	0.141	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	56	3.342	0.040	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	47, 48/1	0.337	0.182	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	49/1	0.514	0.040	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	45	0.441	0.081	-''-	-''-

(1)	(2)	(3)	(4)		(5)	(6)	
रायसेन	बेगमगंज	बोरिया जागीर	46	0.413	0.121	अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, सिलवानी.	सड़क निर्माण हेतु
-''-	-''-	-''-	47, 48/2	2.428	0.324	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	127/44	0.236	0.041	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	31/4	0.809	0.141	-''-	-''-
-''-	सुल्तानगंज	-''-	261	0.729	0.397	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	260	0.926	0.275	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	276	0.219	0.097	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	277	0.190	0.061	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	243	1.068	0.324	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	249	2.237	0.526	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	297	0.458	0.101	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	262	0.518	0.061	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	255, 256, 257/1/3	1.619	0.020	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	238, 239, 240/4	1.657	0.291	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	231	0.320	0.016	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	250	0.231	0.032	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	237	0.918	0.057	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	244	0.239	0.020	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	238, 239, 240/1	0.061	0.061	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	233, 234	4.124	0.567	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	225, 226, 227, 228, 229, 230	0.567	0.117	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	221/2/1/1/1/1/1, 222, 409	1.024	0.343	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	223	0.306	0.097	-''-	-''-
-''-	जमुनिया	-''-	1	0.563	0.223	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	5	1.501	0.388	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	3	0.765	0.089	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	6	1.019	0.445	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	81/2	1.311	0.008	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	82	0.813	0.194	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	144/1/2	1.416	0.834	-''-	-''-
-''-	-''-	-''-	149/2	0.363	0.041	-''-	-''-

(1)	(2)	(3)	(4)			(5)	(6)
रायसेन	बेगमगंज	जमुनिया	150/1	0.599	0.243	अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, सिलवानी.	सडक निर्माण हेतु
-''-	-''-	151, 230/151/2	0.378	0.182	-''-	-''-	
-''-	-''-	152-153/1	0.587	0.061	-''-	-''-	
-''-	-''-	148/4	1.576	0.486	-''-	-''-	
-''-	-''-	186/1/6	0.324	0.324	-''-	-''-	
-''-	मरखेड़ा गुलाब	126/2/1/2	0.324	0.170	-''-	-''-	
-''-	-''-	126/2/2	0.405	0.405	-''-	-''-	
-''-	-''-	128/2	0.708	0.170	-''-	-''-	
-''-	-''-	438	0.817	0.142	-''-	-''-	
-''-	-''-	439	0.474	0.049	-''-	-''-	
-''-	टेकापार कलौ	14/1/2	1.011	0.303	-''-	-''-	
-''-	-''-	14/1/3	0.979	0.227	-''-	-''-	
-''-	-''-	584/36	0.121	0.121	-''-	-''-	
-''-	-''-	585/26/1	0.235	0.235	-''-	-''-	
-''-	-''-	585/26/2	0.190	0.109	-''-	-''-	
-''-	-''-	33/1	1.570	0.089	-''-	-''-	
-''-	-''-	127/1	3.081	0.130	-''-	-''-	
-''-	-''-	34	0.324	0.081	-''-	-''-	
-''-	-''-	37	2.237	0.567	-''-	-''-	
-''-	-''-	42	1.420	0.061	-''-	-''-	
-''-	-''-	486/42	0.283	0.283	-''-	-''-	
-''-	-''-	38/1	2.327	0.364	-''-	-''-	
-''-	-''-	38/2	1.972	0.041	-''-	-''-	
-''-	-''-	40	0.809	0.356	-''-	-''-	
-''-	-''-	45/2	3.060	0.016	-''-	-''-	
-''-	-''-	50/1	1.214	0.146	-''-	-''-	
-''-	-''-	50/2	0.850	0.134	-''-	-''-	
-''-	-''-	50/3	2.064	0.372	-''-	-''-	
-''-	-''-	62	3.379	0.405	-''-	-''-	
-''-	-''-	89	3.411	0.445	-''-	-''-	
-''-	-''-	105	1.210	0.105	-''-	-''-	
-''-	-''-	90	1.262	0.121	-''-	-''-	
-''-	-''-	97	3.080	0.283	-''-	-''-	
-''-	-''-	99	2.225	0.130	-''-	-''-	
-''-	-''-	103	2.533	0.388	-''-	-''-	
-''-	-''-	126/2	2.023	0.101	-''-	-''-	
-''-	-''-	126/1	2.308	0.008	-''-	-''-	
-''-	-''-	94	2.181	0.081	-''-	-''-	
-''-	-''-	104	1.092	0.142	-''-	-''-	
-''-	-''-	139	0.311	0.041	-''-	-''-	
-''-	-''-	140/2	0.599	0.097	-''-	-''-	
कुल योग . .			123.307	21.449			

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, बेगमगंज में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
मोहन लाल मीणा, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

बड़वानी, दिनांक 21 दिसम्बर 2012

क्र. 2187-भू-अर्जन-नहर-2012-प्र. क्र. 26-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 (2) के	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	अंजड़	हरिबड़	0.414	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 27, राजपुर जिला बड़वानी.	इंदिरा सागर परियोजना की बांडी वितरण शाखा के निर्माण हेतु.

नोट.—भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी इंदिरा सागर परियोजना (नहर) बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 27, राजपुर, जिला बड़वानी के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 2188-भू-अर्जन-नहर-2012-प्र. क्र. 27-अ-82-2012.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 (2) के	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	ठीकरी	ठीकरी	2.198	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी, जिला बड़वानी.	इंदिरा सागर परियोजना की सेगवाल उप नहर निर्माण हेतु पूरक प्रस्ताव.

नोट.—भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी इंदिरा सागर परियोजना (नहर) बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी, जिला बड़वानी के कार्यालय में किया जा सकता है.

बड़वानी, दिनांक 29 दिसम्बर 2012

क्र. 2249-भू-अर्जन-नहर-2012-प्र. क्र. 30-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 (2) के	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	ठीकरी	खुरमपुरा	5.661	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी जिला बड़वानी.	इंदिरा सागर परियोजना की कुंआ शाखा नहर एवं उपनहर एम.-1 निर्माण हेतु.

नोट.—भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन भू-अर्जन अधिकारी इंदिरा सागर परियोजना (नहर) बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

क्र. 2250-भू-अर्जन-नहर-2012-प्र. क्र. 31-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 (2) के	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	ठीकरी	अंजदी	25.154	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी जिला बड़वानी.	इंदिरा सागर परियोजना की कुंआ शाखा नहर एवं वितरण शाखा डी-2, डी-3, एवं डी-4 निर्माण हेतु.

नोट.—भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन भू-अर्जन अधिकारी इंदिरा सागर परियोजना (नहर) बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

क्र. 2251-भू-अर्जन-नहर-2012-प्र. क्र. 32-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अन्तर्गत, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	ठीकरी	टेमला	17.137	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी जिला बड़वानी.	इंदिरा सागर परियोजना की कुंआ शाखा नहर निर्माण हेतु.

नोट.—भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना (नहर) बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

क्र. 2252-भू-अर्जन-नहर-2012-प्र. क्र. 33-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अन्तर्गत, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	ठीकरी	घट्टी	12.529	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी जिला बड़वानी.	इंदिरा सागर परियोजना की कुंआ शाखा नहर की वितरण शाखा डी.-1 एवं डी-1 की उपनहर एम.-2, एम.-3 एवं एम-3 की एस. एम-1 एवं एस. एम.-2 नहर निर्माण हेतु.

नोट.—भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना (नहर) बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

क्र. 2253-भू-अर्जन-नहर-2012-प्र. क्र. 34-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अन्तर्गत, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	ठीकरी	ग्राम खुरमपुरा शासकीय भूमि ख.नं. 105/1/1/1/1/1/1/1 पर स्थित निजी मकान/ शासकीय भवन एवं अन्य परसम्पत्तियां	508.10 वर्ग मी.	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी जिला बड़वानी.	इंदिरा सागर परियोजना की कुंआ शाखा नहर निर्माण एवं उससे संबंधित अन्य कार्यों हेतु.

नोट.—सम्पत्तियों के विवरण/ नक्शे (प्लान) का अवलोकन भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना (नहर) बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 14, ठीकरी, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

क्र. 2255-वाचक-प्र. क्र. 36-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अन्तर्गत, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	राजपुर	भागसुर	33.246	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 12, राजपुर	शहीद भीमा नायक सागर परियोजना की मुख्य नहर के अन्तर्गत आने वाली साली माईनर व भागसुर माईनर 1 व 2 के नहर निर्माण एवं उससे संबंधित अन्य कार्यों हेतु.

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर, बड़वानी, भू-अर्जन अधिकारी, लोअर गोई परियोजना बड़वानी, जिला बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग, क्र. 12, राजपुर, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में अवलोकन किया जा सकता है.

क्र. 2256-वाचक-प्र. क्र. 37-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	राजपुर	साली	4.015	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 12, राजपुर	शहीद भीमा नायक सागर परियोजना कि मुख्य नहर के अन्तर्गत आने वाली साली माईनर नहर व भागसुर माईनर 2 के नहर निर्माण एवं उससे संबंधित अन्य कार्यों हेतु.

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर, बड़वानी, भू-अर्जन अधिकारी, लोअर गोई परियोजना बड़वानी, जिला बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग, क्र. 12, राजपुर, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में अवलोकन किया जा सकता है.

क्र. 2257-वाचक-प्र. क्र. 38-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	राजपुर	राईपुरा	12.013	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 12, राजपुर	शहीद भीमा नायक सागर परियोजना कि मुख्य नहर के अन्तर्गत आने वाली राईपुरा माईनर व भागसुर माईनर 1 के नहर निर्माण एवं उससे संबंधित अन्य कार्यों हेतु.

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर, बड़वानी, भू-अर्जन अधिकारी, लोअर गोई परियोजना बड़वानी, जिला बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग, क्र. 12, राजपुर, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में अवलोकन किया जा सकता है.

क्र. 2258-वाचक-प्र. क्र. 39-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

भूमि का वर्णन				अनुसूची	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बड़वानी	बड़वानी	गोठानिया	15.239	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 12, राजपुर	शहीद भीमा नायक सागर परियोजना कि मुख्य नहर के अन्तर्गत आने वाली आमल्यापानी वितरण शाखा व साली माईनर नहर के निर्माण एवं उससे संबंधित अन्य कार्यों हेतु.

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर, बड़वानी, भू-अर्जन अधिकारी, लोअर गोई परियोजना बड़वानी, जिला बड़वानी एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग, क्र. 12, राजपुर, जिला बड़वानी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में अवलोकन किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
श्रीमन् शुक्ला, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला मन्दसौर, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

मंदसौर, दिनांक 29 दिसम्बर 2012

ईशू-क्र. 33-रीडर-2012-प्र.क्र. 1-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि संलग्न अनुसूची के कॉलम (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के कॉलम (6) में दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के कॉलम (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

भूमि का वर्णन				अनुसूची	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टर में)	धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मन्दसौर	सुवासरा	तरावली	0.54 हे. कृषि भूमि एवं उस पर स्थित परिसंपत्तियां	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मंदसौर.	अजयपुर तालाब योजना के डूब क्षेत्र हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी उपखण्ड सीतामऊ के कार्यालय में कार्यालयीन समय में अवलोकन किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
शशांक मिश्र, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बुरहानपुर, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

बुरहानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 2012

क्र. क-वाचक-भू-अर्जन-2012-प्र.क्र. 1 अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दर्शाये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) के उल्लेखित अधिकारी को उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बुरहानपुर	बुरहानपुर	लालबागमाल	0.100	कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग बुरहानपुर.	गणपति नाका से सिन्धीबस्ती मार्ग निर्माण.
		हमीदपुरा	1.650		
		एमागिर्द	2.151		
		योग . .	3.901		

अर्जन की जाने वाली भूमि से संबंधित नक्शा (प्लान) कलेक्टर, कार्यालय एवं भू-अर्जन अधिकारी, बुरहानपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आशुतोष अवस्थी, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, प्रशासक, भू-अर्जन एवं पुनर्वास बाणसागर परियोजना, जिला रीवा, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

रीवा, दिनांक 1 जनवरी 2013

क्र. 1-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर	नवागांव	20.340 हे.	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुड-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.
	कर्चुलियान	कोठार			

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 3-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

जिला	तहसील	भूमि का विवरण		धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
		नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हेक्टर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	दुआरा 266	1.116	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 5-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

जिला	तहसील	भूमि का विवरण		धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
		नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हेक्टर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	रघुराजगढ़	1.648	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 7-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

जिला	तहसील	भूमि का विवरण		धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
		नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हेक्टर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	सेमरी खुर्द	4.230	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 9-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	महुआ	7.977	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्बहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 11-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	मऊगंज	मिसिरगवां	0.958	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्बहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 13-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	चोरहाई	5.068	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्बहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 15-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	दुआरा 273	11.808	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 17-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	अमवा 9	2.242	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 19-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	अमवा 10	1.728	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 21-भू-अर्जन.—चूँकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	दुआरा तिवारी 268	2.592	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 23-भू-अर्जन.—चूँकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	काटी	3.640	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 25-भू-अर्जन.—चूँकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	सिलपरी	4.464	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 27-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	मनिकवार	15.840	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्बहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 29-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	मऊगंज	पलिया दुबे	2.016	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्बहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 31-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का विवरण				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	रायपुर कर्चुलियान	अटरा	2.304	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ़.	गुढ-मऊगंज उद्बहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

क्र. 33-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

जिला	तहसील	भूमि का विवरण		धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
		नगर/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल लगभग (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	मऊगंज	करौंदहा	6.249	कार्यपालन यंत्री, भू-अर्जन एवं पु.सं. क्र. 2, मु. गोविन्दगढ.	गुढ-मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना के अन्तर्गत मुख्य नहर का निर्माण कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में देखा जा सकता है.

रीवा, दिनांक 3 जनवरी 2013

क्र. 40-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम के धारा 5-अ के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे:—

अनुसूची

जिला	तहसील	भूमि का विवरण		धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
		नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रीवा	सिरमौर	पोड़ी पैपखार	0.450	कार्यपालन यंत्री, क्योटी नहर संभाग, रीवा (म.प्र.)	टेल वितरक नहर के निर्माण हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, प्रशासक बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
नीरज श्रीवास्तव, प्रशासक एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला अशोकनगर, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

अशोकनगर, दिनांक 4 जनवरी 2013

क्र. क्यू-भू-अर्जन-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिए गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को, इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील/ तालुक	ग्राम	क्षेत्रफल (हेक्टर में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
अशोकनगर	ईसागढ़	ईन्दोर	46.972	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग अशोकनगर, जिला अशोकनगर (म. प्र.).	ईन्दोर बांध का निर्माण कार्य

भूमि का नक्शा एवं सम्पत्ति का विवरण भू-अर्जन अधिकारी, अशोकनगर एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, अशोकनगर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
संकेत भौंडवे, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सतना, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

सतना, दिनांक 2 जनवरी 2013

भू-अर्जन-प्र.क्र. एफ. 2-1-13-पत्र क्र. भू-अर्जन-12.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम 1894 (क्र. एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार उसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जनीय रकबा लगभग (हे. में)	प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सतना	रामपुर	खारा	0.472	अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी अमरपाटन, जिला सतना.	जिग्ना बरही बदल मार्ग निर्माण कार्य हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर कार्यालय में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. के. खरे, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दमोह, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

दमोह, दिनांक 2 जनवरी 2013

क्र. भू.अ.अ.-2012-13-प्र.क्र. अ-82-वर्ष 2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा (4) की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील का नाम	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दमोह	हटा पटेरा	मुहरा	0.08	कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) दमोह संभाग, दमोह	बधां-इमलिया-महेबा-रसीलपुर योजना के मार्ग निर्माण में आने वाली भूमि का अर्जन.
		इमलिया रावत	0.21		
		योग . .	0.29		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी उपखण्ड, हटा एवं कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) दमोह संभाग, दमोह के कार्यालय में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
स्वतंत्र कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला पूर्व निमाड़ खण्डवा मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

खण्डवा, दिनांक 7 जनवरी 2013

भू-अर्जन-प्र. क्र. 01-अ-82-2011-12-नस्ती-क्र. 159-2012-एलए.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यक है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का कारण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
खण्डवा	पंधाना	अर्दलाखुर्द	12.98	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा.	अर्दला तालाब योजना के शीर्ष एवं नहर कार्य हेतु.

(2) ग्राम अर्दलाखुर्द की भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, पंधाना तथा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन-प्र. क्र. 02-अ-82-2011-12-नस्ती-क्र. 156-2012-एलए.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
खण्डवा	पंधाना	जामलीराजगढ़	6.33	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा.	अर्दला तालाब योजना के शीर्ष कार्य हेतु.

(2) ग्राम जामलीराजगढ़ की भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, पंधाना तथा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन-प्र. क्र. 03-अ-82-2011-12-नस्ती-क्र. 155-2012-एलए.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
खण्डवा	पंधाना	पाबईखुर्द	1.73	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा.	अर्दला तालाब योजना के नहर निर्माण कार्य हेतु.

(2) ग्राम पाबईखुर्द की भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, पंधाना तथा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन-प्र. क्र. 03-अ-82-2011-12-नस्ती-क्र. 157-2012-एलए.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
खण्डवा	पंधाना	दिवाल	5.68	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा.	अर्दला तालाब योजना के नहर निर्माण कार्य हेतु.

(2) ग्राम दिवाल की भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, पंधाना तथा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन-प्र. क्र. 05-अ-82-2011-12-नस्ती-क्र. 158-2012-एलए.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)	द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
खण्डवा	पंधाना	डापक्या	1.94	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा.	अर्दला तालाब योजना के नहर निर्माण कार्य हेतु.

(2) ग्राम डापक्या की भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, पंधाना तथा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

खण्डवा, दिनांक 9 जनवरी 2013

प्र. क्र. 22-अ-82-2012-2013.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4(2) के अन्तर्गत	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (वर्ग मी. में)	प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
खण्डवा	हरसूद	ब्रम्होग्राम	2537 व. मी. आबादी भूमि एवं उस पर स्थित संपत्तियां एवं परिसंपत्तियां.	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग, क्र. 13, खण्डवा.	इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

नोट.—भूमि के नक्शे व (प्लान) आदि (1) कार्यालय, कलेक्टर, जिला खण्डवा, (2) कार्यालय, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा, (3) कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना, क्रमांक 1, खण्डवा में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

नीरज दुबे, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला इन्दौर, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

इन्दौर, दिनांक 7 जनवरी 2013

क्र. 14-भू-अर्जन-2012.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5अ के उपबन्ध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 (1) (4) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
भूमि का वर्णन					
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हे.में.)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
इन्दौर	इन्दौर	राऊ	0.412	कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग, इन्दौर.	राऊ-पीथमपुर मार्ग पर रेल्वे क्रासिंग क्रमांक 256 पर रेल्वे ओव्हरब्रिज के दोनों ओर सर्विस रोड निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, कार्यालय, जिला इन्दौर के भू-अर्जन कार्यालय में किया जा सकता है.

इन्दौर, दिनांक 14 जनवरी 2013

क्र. 135-भू-अर्जन-2013.—चूंकि, राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, इसके द्वारा, सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5अ के उपबन्ध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 (1) (4) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची				धारा 4 (2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
भूमि का वर्णन					
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हे.में.)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
इन्दौर	डॉ. अम्बेडकर	मेण	4.095	संभागीय प्रबंधक, म. प्र.,	राऊ-मण्डलेश्वर राजमार्ग-1 का
	नगर (महू)	मेण-मजरा	0.845	सडक विकास निगम लि.,	(बी. ओ. टी.) योजनान्तर्गत
		योग . .	4.940	इन्दौर.	निर्माण.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, डॉ. अम्बेडकर नगर (महू), जिला इन्दौर एवं संभागीय प्रबंधक, म. प्र. सड़क विकास निगम लि., इन्दौर के कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

आकाश त्रिपाठी, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला खण्डवा, मध्यप्रदेश एवं पदेन
उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

खण्डवा, दिनांक 24 दिसम्बर 2012

प्र. क्र. 02-अ-82-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—(कृषि भूमि)

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—सोमगांवखुर्द, प.ह.नं. 07

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—24.49 हेक्टेयर.

खसरा
नंबर

अर्जित रकबा
(हेक्टर में)

(1)

(2)

138	0.12
139/1	0.42
139/2	0.32
139/3	0.51
141	0.05
143/1, 143/2	0.78
144	0.75
150	0.43
151	0.23
152	1.11
156	1.11
158	1.55
160	0.75
167	0.32
173	0.84
174	0.84
175	0.84
177	0.84
178	0.84
179	0.49
180	0.49
183	0.98

(1)

(2)

184	0.45
185	0.79
186	0.80
190	0.35
191	0.65
193	0.46
194	0.16
208	0.85
212	0.85
219	0.53
223/1	0.49
223/2	0.42
227	0.46
245	0.63
247/1	0.49
247/2	0.26
247/3	0.20
248	0.18
292	0.55
297	0.31

योग : 24.49

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत ग्राम सोमगांवखुर्द तहसील हरसूद, जिला खण्डवा के एफआरएल में आने वाली भूमि एवं अन्य परिसंपत्तियों बावत्.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर कार्यालय, देवास/कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा/भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, खण्डवा क्र. 03 के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 02-अ-82-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—(कृषि भूमि)

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—गंभीर उबारी, प.ह.नं. 07

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—20.37 हेक्टेयर.

खसरा नंबर (1)	अर्जित रकबा (हेक्टर में) (2)
549	0.90
550	0.84
552	0.60
553/1	0.14
553/2	0.80
554/1	1.36
554/2	0.80
554/3	0.40
556/1	1.20
556/2	0.49
557	0.20
558	1.16
562	0.42
566	0.80
567	1.16
569	0.86
573/2	0.27
573/3	0.09
574	0.73
590	0.22
591	0.42
593	0.48
594/1	0.40
594/2	0.28
595	1.67
596	1.08
597/1	0.21
597/2	1.69
561	0.70

योग : 20.37

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत ग्राम गंभीर उबारी, तहसील हरसूद, जिला खण्डवा के एफआरएल में आने वाली भूमि एवं अन्य परिसंपत्तियों बावत्.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर कार्यालय, देवास/कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा/भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, खण्डवा क्र. 03 के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 03-अ-82-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—(कृषि भूमि)

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—कुकढाल, प.ह.नं. 13

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—8.21 हेक्टेयर.

खसरा नंबर (1)	अर्जित रकबा (हेक्टर में) (2)
369/1	2.59
389/1	0.23
390/1	0.24
391/1	0.45
392/1	0.27
397/1	0.83
397/2	1.99
399	1.61
योग : 8.21	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत ग्राम कुकढाल, तहसील हरसूद, जिला खण्डवा के एफआरएल में आने वाली भूमि एवं अन्य परिसंपत्तियों बावत्.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर कार्यालय, देवास/कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा/भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, खण्डवा क्र. 03 के कार्यालय में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
नीरज दुबे, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला छतरपुर, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

छतरपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 2012

प्र. क्र. 5-अ-82-भू-अर्जन-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)

में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—छतरपुर
(ख) तहसील—वक्सवाहा
(ग) नगर/ग्राम—वक्सवाहा
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.168 हेक्टर,
(1) निजी भूमि — 0.168
(2) शास. भूमि — निरंक.

खसरा नंबर	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
2424	0.168
योग . .	0.168

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—वकस्वाहा तालाब की नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र.6-अ-82-भू-अर्जन-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—छतरपुर
(ख) तहसील—वकस्वाहा
(ग) नगर/ग्राम—मड़िया खुर्द
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.216 हेक्टर,

(1) निजी भूमि — 0.216

(2) शास. भूमि — निरंक.

खसरा नंबर	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
32/2	0.080
33	0.136
योग . .	0.216

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—वकस्वाहा तालाब की नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 7-अ-82-भू-अर्जन-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—छतरपुर
(ख) तहसील—बक्सवाहा
(ग) नगर/ग्राम—कुही
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.130 हेक्टर,
(1) निजी भूमि — 1.130
(2) शास. भूमि — निरंक.

खसरा नंबर	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
4	1.000
5	0.005

खसरा नं. 5 की सम्पूर्ण भूमि का मुआवजा दिया जा चुका है. कुंआ की भूमि एवं कुंआ का मुआवजा शेष है.

53	भूमि का मुआवजा दिया जा चुका है कुंआ का मुआवजा शेष है.
524/63	0.125
योग . .	1.130

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—बकस्वाहा तालाब के बांध निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 8-अ-82-भू-अर्जन-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—छतरपुर

(ख) तहसील—बड़ामलहरा

(ग) नगर/ग्राम—देवपुर II

(घ) लगभग क्षेत्रफल—5.895 हेक्टर,

(1) निजी भूमि — 5.895

(2) शास. भूमि — निरंक.

खसरा नंबर	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)

938	0.384
937	1.384
943, 392/2	0.120
391/1	0.036
944	0.042
380/1	0.030
382	0.048
383	0.108
378/1	0.098
351	0.252
352	0.096
261	0.102
262	0.060
263	0.028
354/1	0.126
243	0.090
244	0.072
246	0.016
88/1/1	0.160

(1)	(2)
88/1/2	0.160
242	0.132
240/1/1	0.188
207/1/1	0.048
207/1/2	0.060
207/2/1	0.120
206	0.120
202	0.080
147	0.040
923/1	0.400
920	0.120
917	0.088
145	0.150
89/2	0.090
86	0.124
80	0.138
67	0.012
64	0.240
81	0.080
66	0.270
273	0.010
923/4	0.891
922	0.056
203	0.026
योग . .	<u>5.895</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—देवपुर II तालाब योजना की नहर एवं स्पिल चैनल निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजेश बहुगुणा, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला देवास, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

देवास, दिनांक 29 दिसम्बर 2012

प्र. क्र. 03-अ-82-11-12-1326.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894

(क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह भी घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—कृषि भूमि

- (क) जिला—देवास
(ख) तहसील—सोनकच्छ
(ग) ग्राम—कुलाला
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.07 हेक्टर.

भूमि खसरा नंबर	कुल रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
11 पै.	0.18
12 पै.	0.22
19 पै.	0.28
21/2 पै.	0.05
22/2 पै.	0.06
23 पै.	0.02
28 पै.	0.23
34/1 पै.	0.03
योग . .	1.07

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है—बुदासा तालाब की नहर निर्माण हेतु प्रभावित होने से.

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यालय, कलेक्टर, जिला देवास, कार्यालय, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन एवं कार्यालय, भू-अर्जन अधिकारी, सोनकच्छ में देखा जा सकता है.

देवास, दिनांक 8 जनवरी 2013

प्र. क्र. 07-अ-82-2011-12-27.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह भी घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—कृषि भूमि

- (क) जिला—देवास
(ख) तहसील—टोंकखुर्द

(ग) ग्राम—बुदासा

(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.01 हेक्टर.

भूमि खसरा नंबर	कुल रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
49/1	0.52
49/2	0.53
127/2	0.70
655/3	0.50
662	0.69
687 पै.	0.07
योग . .	3.01

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है—बुदासा तालाब की नहर एवं तालाब निर्माण हेतु प्रभावित होने से.

नोट.—भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यालय, कलेक्टर, जिला देवास, कार्यालय, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन एवं कार्यालय, भू-अर्जन अधिकारी सोनकच्छ में देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम.के. अग्रवाल, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

बड़वानी, दिनांक 29 दिसम्बर 2012

क्र. 2265-भू-अर्जन-2012-रा.प्र.क्र. 32-अ-82-2011-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बड़वानी
(ख) तहसील—सेंधवा

(ग) ग्राम—पिपल्याडेब, प.ह.नं. 09

(घ) लगभग क्षेत्रफल—9.022 हेक्टर.

सर्वे नंबर
डूब भूमि का रकबा
(हेक्टर में)

(1)

(2)

8/1 0.220

8/3 0.122

9/1 व 9/2 0.560

11/1, 14/1, | 0.300

11/1/1, 14/2 |

12 0.150

13 0.330

17/3 व 37 0.140

14/112/20 व | 0.330

14/112/21 |

14/112/22 0.032

15/3 0.090

15/4 0.142

16/1 व 16/2 व 38 0.380

17/2 व 36 0.220

17/4 0.200

46/1/1/1/2 व 47/1 0.415

48 0.245

68/5 0.142

70/1 0.122

70/3 0.330

70/2 0.190

72/14 0.055

72/12 0.200

72/13 0.150

72/15 0.153

72/16 0.200

72/17 0.376

80/13 0.170

80/15 0.040

93/30 0.215

80/26 0.300

80/36 0.080

86/4 0.196

88/4 व 93/13 0.220

93/22 व 103/2 0.016

88/7 0.240

93/16 0.040

93/17 0.100

93/18 0.295

(1)

(2)

93/21 व 103/1 0.180

96 0.425

97/4 0.056

97/5 व 99/1 व | 0.265

99/4 व 102/3 |

97/6 व 99/2 व 102/6 0.170

99/5 व 102/2 0.150

100 0.020

107/4/1 0.050

योग . . 9.022

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—कमोदवाड़ा तालाब की नहर निर्माण योजना हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर कार्यालय, बड़वानी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सेंधवा, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, बड़वानी एवं अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन, अनुविभाग-सेंधवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 2266-भू-अर्जन-2012-रा.प्र.क्र. 33-अ-82-2011-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—बड़वानी

(ख) तहसील—सेंधवा

(ग) ग्राम—कोलखेड़ा, प.ह.नं. 08

(घ) लगभग क्षेत्रफल—4.421 हेक्टर.

सर्वे नंबर

डूब भूमि का रकबा
(हेक्टर में)

(1)

(2)

9/2 व 10 0.303

22/1/5 0.057

11/1 व 11/2 व | 0.073

12 व 22/2 |

(1)	(2)
22/1/4	0.016
11/3 व 14 व 16 व	0.102
17/1 व 17/3	
21/1 व 22/1/3	0.370
22/1/8	0.081
23	0.316
25	0.185
29/1	0.202
30/1 व 31/5	0.285
40	0.264
60	0.036
22/1/7	0.385
26 व 27 व 64/75	0.183
29/2 व 30/3 व 31/6	0.089
31/3	0.049
34/1 व 34/2	0.567
34/3	0.142
64/79	0.008
38/1	0.210
39	0.049
41/1/1	0.049
46/4	0.050
46/6 व 47/6	0.090
46/7	0.110
62/1	0.110
62/2	0.040
योग :	<u>4.421</u>

(क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बड़वानी
(ख) तहसील—सैंधवा
(ग) ग्राम—झापड़ीपाडला, प.ह.नं. 07
(घ) लगभग क्षेत्रफल—9.914 हेक्टर.

सर्वे नंबर	डूब भूमि का रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
72	0.494
113 व 114 व	0.040
115/2 व 116/2	
120/1 व 120/2 व	0.348
120/3 व 120/4	
123/3	0.081
124/1	0.178
124/2	0.138
136/1 व 137/1	0.040
45/1/1/1/2 व	0.121
140 व 301/2	
141	0.113
45/1/2, 142/2,	0.194
143/1/1/2 व 145/6	
143/1/1/3/2	0.049
143/1/1/4 व	0.020
143/1/1/7	
147/1	0.061
169/1	0.154
169/13	0.210
169/2	0.162
169/22	0.065
169/10	0.020
169/15	0.057
169/21	0.057
169/23	0.065
170/1	0.117
170/3	0.069
170/5	0.028
183/5/1	0.121
183/5/2	0.090

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—कमोदवाड़ा तालाब की नहर निर्माण योजना हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर, कार्यालय, बड़वानी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सैंधवा, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, बड़वानी एवं अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन, अनुविभाग-सैंधवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 2264-भू-अर्जन-2012-रा.प्र.क्र. 34-अ-82-2011-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894

(1)	(2)
50/2	0.101
56	0.142
57	0.380
69/1	0.040
69/7	0.061
72	0.260
73/1/1	0.140
73/1/2	0.303
योग :	<u>3.672</u>
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—टोरी तालाब की नहर निर्माण योजना हेतु.	
(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर, कार्यालय, बड़वानी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सेंधवा, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, बड़वानी एवं अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन, अनुविभाग-सेंधवा के कार्यालय में किया जा सकता है.	

क्र. 2261-भू-अर्जन-2012-रा.प्र.क्र. 37-अ-82-2011-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बड़वानी
- (ख) तहसील—वरला
- (ग) ग्राम—केरमला, प.ह.नं. 04
- (घ) लगभग क्षेत्रफल—2.019 हेक्टर.

सर्वे नंबर	डूब भूमि का रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
82	0.202
84/5	0.073
84/6	0.089
85 व 86	0.061

(1)	(2)
87/2	0.073
87/3	0.073
90/2	0.101
90/3	0.129
90/4	0.081
90/5	0.101
90/6	0.081
98/1 व 99/2	0.202
98/2	0.081
98/3	0.081
98/4	0.061
98/6	0.178
117/1	0.049
117/2	0.073
118/1	0.081
118/3	0.101
118/4	0.048
योग :	<u>2.019</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—टोरी तालाब की नहर निर्माण योजना हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर, कार्यालय, बड़वानी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सेंधवा, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, बड़वानी एवं अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन, अनुविभाग-सेंधवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 2262-भू-अर्जन-2012-रा.प्र.क्र. 40-अ-82-2011-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बड़वानी
- (ख) तहसील—वरला

- (ग) ग्राम—बलवाड़ी, प.ह.नं. 04
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.703 हेक्टर.

सर्वे नंबर	डूब भूमि का रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
27/1	0.162
28/1	0.129
28/3	0.105
29/1	0.113
29/2	0.040
32	0.138
29/3	0.016
योग : 0.703	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—टोरी तालाब की नहर निर्माण योजना हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर, कार्यालय, बड़वानी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सेंधवा, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, बड़वानी एवं अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन, अनुविभाग-सेंधवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 2263-भू-अर्जन-2012-रा.प्र.क्र. 41-अ-82-2011-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बड़वानी
(ख) तहसील—वरला
(ग) ग्राम—वरला, प.ह.नं. 03
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.125 हेक्टर.

सर्वे नंबर	डूब भूमि का रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
135/3	0.170
137	0.174

- (1) (2)

139	0.162
141	0.146
142	0.170
145/1	0.081
145/2	0.081
145/3	0.040
146/1	0.101
योग : 1.125	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—टोरी तालाब की नहर निर्माण योजना हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर, कार्यालय, बड़वानी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सेंधवा, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, बड़वानी एवं अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन, अनुविभाग-सेंधवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 2259-भू-अर्जन-2012-रा.प्र.क्र. 42-अ-82-2011-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बड़वानी
(ख) तहसील—वरला
(ग) ग्राम—हिंगवा, प.ह.नं.
(घ) लगभग क्षेत्रफल—58.775 हेक्टर.

सर्वे नंबर	डूब भूमि का रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
9/6	0.040
9/7	0.032
9/8	0.040
9/9	0.506
20/1	1.044

(1)	(2)	(1)	(2)
20/2	1.049	141/8	0.040
20/3	0.364	143/6	0.061
22/1	2.023	144	0.162
22/2	5.759	145	0.061
22/3	2.023	147	0.405
23/1	3.562	154	0.081
23/2	2.751	156	0.061
24	4.100	159	0.304
26/1	1.197	162/2	0.129
26/2	1.202	168/1	0.040
26/3	1.202	168/2	0.061
30	4.500	169	0.024
31/1	0.061	170	0.024
39	3.148	172	0.024
42/1	0.121	192/1	0.113
43/2	0.161	192/2	0.129
43/4	0.032	192/3	0.089
43/5	0.202	192/4	0.113
81/2	0.081	192/5	0.097
81/3	0.101	192/6	0.113
81/4	0.227	192/7	0.089
81/5	0.283	192/8	0.089
81/7	0.081	193 व 194	0.291
93	0.030	209/1	0.146
96	0.644	215	0.121
97/2	0.113	262/4	0.227
97/3	0.138	265/6	0.121
101/360	0.073	266/1	0.178
123/1	0.024	266/6	0.061
123/2	0.283	266/7	0.073
123/4	0.283	274/1	0.057
123/6	0.153	274/2	0.049
123/7	0.049	274/4	0.024
123/8	0.024	274/5	0.024
124	0.040	275/1	0.020
126/1	0.202	275/3	0.032
126/3	0.121	275/4	0.024
129/1	0.202	275/5	0.024
129/2	0.170	275/6	0.024
138	0.061	278	0.032
139	0.227	280/1	0.161
141/1	0.057	280/2	0.020
141/2	0.162	280/3	0.178
141/6	0.153		

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बैतूल, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

बैतूल, दिनांक 1 जनवरी 2013

प्र. क्र. 3-अ-82-वर्ष 2012-13-भू-अर्जन-37.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बैतूल
(ख) तहसील—आमला
(ग) नगर/ग्राम—बिसखान, पटवारी हल्का नम्बर—67
(घ) लगभग क्षेत्रफल—5.350 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)

(1)	(2)
280/4	0.020
281/1	0.073
281/2	0.049
281/3	0.040
281/4	0.040
281/5	0.040
281/6	0.032
281/7	0.049
282/1	0.040
282/2	0.020
282/3	0.020
282/4	0.020
282/5	0.020
282/6	0.040
295/1	0.210
295/3	0.121
295/4	0.161
295/5	0.161
295/11	0.081
295/12	0.061
296/1	0.153
296/2	0.049
296/3	0.020
297/2	0.101
325/447	1.153
325/448	0.121
325/450/1	1.011
325/450/2	0.430
325/451	2.000
325/452	1.821
325/453	0.809
325/462	2.000
325/463	1.696
325/464	1.679
325/465/1	0.935
325/465/2	0.202
योग . .	58.775

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—टोरी तालाब एवं नहर निर्माण योजना हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का अवलोकन कलेक्टर कार्यालय, बड़वानी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, सेंधवा, कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, बड़वानी एवं अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन, अनुविभाग-सेंधवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
श्रीमन् शुक्ला, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
148/1	0.051
153/1	0.051
148/2	0.051
153/2	0.051
149	0.074
151	0.186
150/1	0.026
150/2	0.037
150/3	0.026
155/3	0.056
155/2	0.009
155/9	0.046
155/1	0.060
158	0.121
164	0.153
163	0.093
166	0.102
179	0.190

(1)	(2)
180/2	0.014
180/3	0.051
181/1	0.028
182	0.181
303	0.372
308/10	0.181
316/4	0.051
316/2	0.084
316/5	0.023
320	0.232
316/3	0.070
308/11	0.004
328	0.251
329	0.116
334/1	0.249
334/3	0.033
334/4	0.033
334/5	0.046
356/5	0.037
334/2	0.056
356/2	0.056
357/1	0.070
367	0.348
395/2	0.098
395/3	0.242
401	0.390
402	0.172
403	0.121
404	0.093
405	0.149
406	0.111
316/1	0.005
योग . .	<u>5.350</u>

प्र. क्र. 4-अ.-82-वर्ष 2012-13-भू-अर्जन-38.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—बैतूल
(ख) तहसील—आमला
(ग) नगर/ग्राम—खारी, पटवारी हल्का नम्बर—67
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.286 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
166/8	0.121
166/7	0.190
176	0.135
177	0.139
175/2	0.186
175/5	0.088
175/4	0.060
172	0.028
294/1	0.102
294/2	0.042
295	0.065
296/1	0.060
296/2	0.070
योग . .	<u>1.286</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—बादलडोह जलाशय की नहर निर्माण हेतु निजी भूमि का अर्जन.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, मुलताई के न्यायालय में देखा जा सकता है.
- (4) भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मुलताई के कार्यालय में भी देखा जा सकता है.

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—बादलडोह जलाशय की नहर निर्माण हेतु निजी भूमि का अर्जन.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, मुलताई के न्यायालय में देखा जा सकता है.
- (4) भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मुलताई के कार्यालय में भी देखा जा सकता है.

प्र. क्र. 5-अ.-82-वर्ष 2012-13-भू-अर्जन-39.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—बैतूल

(ख) तहसील—आमला

(ग) नगर/ग्राम—केकडिया, पटवारी हल्का नम्बर—66

(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.227 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
192	0.279
190/2	0.065
191	0.372
118/1	0.511
योग . .	<u>1.227</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—बादलडोह जलाशय की नहर निर्माण हेतु निजी भूमि का अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, मुलताई के न्यायालय में देखा जा सकता है.

(4) भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मुलताई के कार्यालय में भी देखा जा सकता है.

प्र. क्र. 6-अ.-82-वर्ष 2012-13-भू-अर्जन-40.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत

इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—बैतूल

(ख) तहसील—आमला

(ग) नगर/ग्राम—डुडरिया, पटवारी हल्का नम्बर—66

(घ) लगभग क्षेत्रफल—5.084 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
142	0.056
143/1	0.028
150	0.302
151/1	0.153
152/1	0.139
153	0.167
159	0.125
154	0.149
156	0.046
162/2	0.046
163	0.098
367	0.079
373/2	0.107
374/1	0.116
359	0.390
332/8	0.070
332/7	0.046
332/6	0.139
332/1	0.163
317	0.065
316	0.209
243/1	0.265
245	0.070
251/1	0.008
251/2	0.008

(1)	(2)
251/3	0.008
251/4	0.008
251/5	0.008
251/6	0.008
252/1	0.014
252/2	0.014
252/3	0.014
252/4	0.014
268/1	0.020
268/2	0.020
252/5	0.014
253	0.074
269	0.255
267	0.279
288	0.172
287/2	0.116
281/5	0.283
91/1	0.167
91/6	0.093
85/3	0.121
85/2	0.102
162/3	0.139
373/1	0.051
375/1	0.046
योग . .	<u>5.084</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—बादलडोह जलाशय की नहर निर्माण हेतु निजी भूमि का अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, मुलताई के न्यायालय में देखा जा सकता है.

(4) भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मुलताई के कार्यालय में भी देखा जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
बी. चन्द्रशेखर, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सतना, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

सतना, दिनांक 2 जनवरी 2013

क्र. एफ. 03-भू-अर्जन-12-2-1-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894, संशोधन 1984 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—(म. प्र. शासन/निजी खाता)

(क) जिला—सतना

(ख) तहसील—रामनगर

(ग) नगर/ग्राम—खारा

(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.472 हेक्टेयर.

खसरा नं.	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)
----------	-------------------------------

(1)	(2)
-----	-----

263/2क/2	0.359
----------	-------

272/2क/2	0.036
----------	-------

480	0.077
-----	-------

निजी खाता भूमि योग . .	<u>0.472</u>
------------------------	--------------

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए अर्जन आवश्यक है—जिग्ना बरही बदल मार्ग निर्माण कार्य हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर (भू-अर्जन), जिला सतना के न्यायालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. के. खरे, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला टीकमगढ़, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

टीकमगढ़, दिनांक 3 जनवरी 2013

क्र. भू-अर्जन-प्र. क्र. 1-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम,

1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—टीकमगढ़

(ख) तहसील—टीकमगढ़

(ग) नगर/ग्राम—डूड़ाखेरा

(घ) लगभग क्षेत्रफल—66.927 हेक्टेयर.

खसरा नं.

रकबा
(हेक्टेयर में)

(1)

(2)

60/1

0.569

60/2

0.250

61

0.062

63

0.170

67

0.101

73

0.219

74

0.032

85

0.158

77/1

0.507

80

0.316

81

0.413

82

0.101

83

0.263

84

0.077

86

0.186

153/46

0.040

153/47

0.263

89/1

1.582

89/2

0.405

91

0.781

144 द

0.615

91ब/1

0.178

91 स

0.178

93

0.644

93 अ

0.833

95

0.077

96

0.320

97

0.012

98

0.308

99

0.976

(1)

(2)

100

0.247

101

0.146

110

0.182

111

0.615

103

0.364

104

0.150

105/657

0.134

105

1.133

105/658

1.056

106

1.015

107

0.020

108

0.543

109

0.150

119

0.024

120

0.170

121

0.154

122

0.134

123

0.024

124

0.279

128

0.506

126

0.154

286

0.065

287

0.251

288

0.380

289

0.125

290

0.089

291

0.263

292

0.154

294

0.174

311

0.291

312

0.198

127/11/1

1.000

127/12अ

0.090

129/3/1

0.275

127/11/2

0.620

127/12ब

0.050

127/14/1

0.613

127/14/2

0.151

127/14/3

0.200

129/3/2

0.307

127/11/3

0.620

127/10/2

0.620

127/3

0.680

127/4

0.809

(1)	(2)	(1)	(2)
127/5/1	0.809	165	0.875
127/5/2	1.214	167	0.471
127/6	0.733	168/1	0.060
127/7/1	0.809	168/2	0.060
127/8/1	0.900	168/3	0.060
127/8/2	0.401	168/4	0.060
127/9	0.200	168/5	0.060
129/1	0.950	168/6	0.060
129/2	0.220	222/1	0.870
129 अ	0.291	245	0.020
130	0.971	249	0.275
130 अ	0.279	252	0.040
132	2.816	254	0.162
134	0.316	255	0.008
142	0.397	256	0.081
137	0.231	257	0.016
139	0.275	262	0.040
146	0.182	263	0.400
140	0.368	264	0.239
143	0.502	265	0.308
144	1.130	266	0.016
144 अ	0.080	267	0.506
144 ब	0.454	268	0.081
144 स	0.271	246	0.446
148/1	1.620	247	0.040
148/2	1.322	251	0.117
148/3	0.400	253	0.332
148/4	0.632	328	0.510
149/2	0.720	330	0.109
154/2	0.405	269/1	0.051
150	0.146	270/1	0.020
151	0.093	271/2	0.023
152	0.105	272/1	0.156
153	2.116	273/2	0.126
154/1	0.760	274/2	0.431
155/1	0.600	275/2	0.033
155/2	0.302	276/1	0.288
156	0.049	277/1	0.032
157	0.157	278/1	0.070
158	0.304	278/3	0.031
159	0.336	279/1	0.083
160	0.077	279/3	0.040
161	0.085	280/3	0.013
162	0.142	280/1	0.267
164	0.028		

(1)	(2)	(1)	(2)
282/1	0.125	280/1	0.005
283/2	0.129	319	0.016
284/2	0.054	339/2	0.016
285/2	0.022	293	0.170
339/1	0.042	295	0.020
318/2	0.049	296	0.206
316/1	0.038	297	0.170
317/1	0.158	298	0.150
320/1	0.015	299	0.085
321/1	0.215	300	0.186
322/1	0.113	301	0.186
323/1	0.028	302	0.016
269/1	0.050	303	0.016
270/3	0.020	306	0.144
271/1	0.022	308/2	0.115
272/2	0.156	310/2	0.154
273/1	0.125	308/1	0.115
274/1	0.431	310/1	0.154
275/1	0.032	313	0.206
276/2	0.287	315	0.186
277/2	0.033	359	0.049
278/2	0.070	360	0.036
278/4	0.031	361	0.809
279/2	0.084	364	0.016
279/4	0.040	365	0.081
280/2	0.014	325	0.020
281/2	0.267	326	0.113
282/2	0.126	327	0.141
83/1	0.130	329	0.105
284/1	0.055	333	0.080
285/1	0.023	356	
339/3	0.043	357	0.420
318/1	0.048	358	
316/2	0.038		
317/2	0.158		
320/2	0.014		
338/1	0.050		
321/2	0.215		
322/2	0.113		
323/2	0.028		
270/2	0.005		

योग : 66.927

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यक है—बहादुरगढ़ तालाब योजना के डूब एवं बांध निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, संभाग टीकमगढ़, जिला टीकमगढ़ के कार्यालय में, कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.

क्र.-भू-अर्जन-प्र. क्र. 1-अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—टीकमगढ़
(ख) तहसील—टीकमगढ़
(ग) नगर/ग्राम—बहादुरपुर
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.217 हेक्टेयर.

खसरा नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
551/1	0.120
560/2	0.097
योग :	<u>0.217</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यकता है—बहादुरगढ़ तालाब योजना की नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान)—अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, संभाग टीकमगढ़, जिला टीकमगढ़ के कार्यालय में, कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.

क्र.-भू-अर्जन-प्र. क्र. 1-अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—टीकमगढ़
(ख) तहसील—टीकमगढ़
(ग) नगर/ग्राम—नारायणपुर
(घ) लगभग क्षेत्रफल—13.823 हेक्टेयर.

खसरा नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1	1.080
2	0.069
4	0.032
7	0.069
12	0.081
13	0.057
15	0.008
3	0.073
5	0.036
6	0.069
8	0.012
9	0.036
10	0.073
11	0.089
14	0.069
16	0.089
17	0.359
18	0.230
24	0.130
25	0.040
26	0.304
27	0.012
28	0.299
29	0.283
30	0.312
184/3	0.809
184/1/1	0.405
184/1/3	0.330
184/1/3	0.404
184/4/1	0.340
184/4/2	0.340
184/4/3	0.340
184/2	2.015
186	0.210
187	0.040
184/3	0.214
188	0.527
195	0.100
196/1	0.202
218	0.223
220	0.283
221	0.097

(1)	(2)	(ग) नगर/ग्राम—परसुवां	(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.669 हेक्टेयर.
222	0.069		
223	0.045		
224	0.057	खसरा नं.	रकबा
225	0.089		(हेक्टेयर में)
232	0.121	(1)	(2)
233	0.077	518	0.083
237	0.134	519	0.012
247	0.299	515	0.051
226	0.089	516	0.065
234	0.064	511	0.032
246	0.081	512	0.035
227	0.065	489	0.051
228	0.069	369	0.096
235	0.061	377	0.025
238	0.125	487	0.046
260/2	0.450	387	0.105
261	0.430	391	0.019
262/2	0.101	376	0.093
268	0.040	378	0.013
269	0.040	373	0.045
275	0.170	480	0.044
276	0.081	370	0.022
278	0.130	448	0.071
280	0.146	452	0.085
योग : 13.823		444	0.039

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यकता है—बहादुरगढ़ तालाब योजना के डूब एवं बांध निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान)—अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, संभाग टीकमगढ़, जिला टीकमगढ़ के कार्यालय में, कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.

क्र.-भू-अर्जन-प्र.क्र. 2-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—टीकमगढ़

(ख) तहसील—टीकमगढ़

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यकता है—बहादुरगढ़ तालाब योजना की नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान)—अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, संभाग टीकमगढ़, जिला टीकमगढ़ के कार्यालय में, कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.

योग : 1.669

क्र.-भू-अर्जन-प्र. क्र. 3-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—टीकमगढ़

(ख) तहसील—टीकमगढ़

(ग) नगर/ग्राम—स्याग

(घ) लगभग क्षेत्रफल—4.601 हेक्टेयर.

खसरा नं.

रकबा
(हेक्टेयर में)

(1)

(2)

54

0.100

55

0.096

67

0.056

74

0.024

540/916

0.016

56

0.024

65

0.056

68

0.096

70

0.148

109

0.088

111

0.032

112

0.052

119/1

0.144

122

0.152

218

0.084

230

0.050

231

0.024

232

0.048

235

0.064

241

0.048

243

0.072

341

0.080

345

0.056

348

0.056

350

0.52

(1)

(2)

370

0.056

379

0.216

385

0.064

386

0.072

405

0.112

407

0.080

408

0.056

409

0.080

494

0.036

499

0.036

497

0.024

498

0.108

511

0.016

512

0.016

514

0.013

518

0.060

879

0.056

513

0.012

522

0.016

509/918

0.012

509/923

0.064

523

0.012

539

0.044

538

0.028

540/2

0.032

540/917

0.032

541

0.136

543

0.016

544

0.016

547

0.032

549

0.100

550

0.012

555

0.040

551

0.028

556

0.016

557

0.084

558

0.024

565

0.044

(1)	(2)	(ग) नगर/ग्राम—प्रेमपुरा	(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.593 हेक्टेयर.
568	0.036	खसरा नं.	रकबा
569	0.020		(हेक्टेयर में)
572	0.040	(1)	(2)
677	0.016	715/1	0.202
678	0.056	687/720/3	0.037
679	0.048	715/2	0.128
680	0.036	715/3	0.226
700	0.040		योग : 0.593
701	0.089		
710	0.024		
711/938	0.072		
875	0.076		
876	0.112		
939	0.004		
718	0.016		
719	0.048		
881	0.080		
892	0.040		
893	0.073		
894	योग : 4.601		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यकता है—
बहादुरगढ़ तालाब योजना की नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग टीकमगढ़, जिला-टीकमगढ़ के कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.

क्र.-भू-अर्जन-प्र. क्र. 4-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—टीकमगढ़
(ख) तहसील—टीकमगढ़

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यकता है—
बहादुरगढ़ तालाब योजना की नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग टीकमगढ़, जिला-टीकमगढ़ के कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.

क्र.-भू-अर्जन-प्र. क्र. 5-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—टीकमगढ़
(ख) तहसील—टीकमगढ़
(ग) नगर/ग्राम—रानीपुरा
(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.424 हेक्टेयर.

खसरा नं.	रकबा
(1)	(2)
194	0.025
211/1	0.003
108/4	0.211
212	0.029
215	0.032
216	0.022
274	0.041

(1)	(2)	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यकता है— बहादुरगढ़ तालाब योजना की नहर निर्माण हेतु.
277	0.041	
413	0.019	
415	0.044	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग टीकमगढ़, जिला-टीकमगढ़ के कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.
276	0.044	
278	0.035	
279	0.051	
345	0.057	क्र.-भू-अर्जन-प्र.क्र. 21-अ-82-2012.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—
346	0.089	
361	0.144	
362/1	0.057	
362/2	0.038	
362/5	0.016	
440	0.025	
570	0.032	
586	0.025	
572	0.032	
573	0.009	
577	0.054	
581	0.035	
583/2	0.006	
585	0.057	
632	0.009	
633	0.009	
643	0.028	
645	0.096	
682	0.330	
693	0.153	
719	0.070	
694	0.077	
743	0.096	
751	0.009	
752	0.134	
754	0.083	
782/1	0.105	
783	0.012	
784	0.173	
785	0.243	
786	0.057	
787	0.365	
110/1	0.102	
योग :		
3.424		
		अनुसूची
		(1) भूमि का वर्णन—
		(क) जिला—टीकमगढ़
		(ख) तहसील—टीकमगढ़
		(ग) नगर/ग्राम—बुड़कीखेरा
		(घ) लगभग क्षेत्रफल—80.664 हेक्टेयर.
		खसरा नं.
		रकबा
		(हेक्टेयर में)
		(1) (2)
		3/3 0.600
		7/2 0.555
		7/3 1.619
		12 0.120
		15 0.080
		16 0.067
		17 0.063
		18 0.290
		19 0.250
		21 0.097
		22 0.202
		23 0.109
		24 0.308
		25 0.356
		26 0.565
		27 0.053

(1)	(2)	(1)	(2)
28/2/4	1.000	66	0.429
20	0.230	167	0.466
34	0.032	65	0.125
36	0.368	67	1.477
37	0.094	68	0.571
38	0.190	69	0.279
35/1क	0.470	82	0.142
30	0.140	83	0.069
31	0.437	84	0.265
32	0.500	85	0.630
33	1.623	86	0.142
35/1ख	0.470	87	0.206
35/1ग	0.104	88	0.024
35/2	1.012	89	0.809
39	1.651	90	0.384
41	1.420	91	0.125
42	2.007	92	0.425
44/1	0.599	93	0.445
46/2	0.429	94	0.024
65	0.125	96	0.160
95	0.200	97	0.245
111/1	0.130	98	0.101
44/2	0.593	48/2	0.841
46/1	0.429	70	2.047
45	0.656	71	0.279
47	0.304	72	0.141
48/1	0.430	73	0.065
56	0.991	74	0.502
57	0.105	75	0.028
60	0.696	76	0.028
50	0.547	77	0.162
52	0.918	78	0.093
55	0.352	79	0.036
61	0.543	80	0.016
62/3	0.138	81	0.316
59/2	0.380	54	1.181
62/2	0.219	58	0.057
63	0.417	59/1	1.214
64	0.316	62/1	0.809
100	0.125	99	0.219
101	0.666	984	0.090

(1)	(2)	(1)	(2)
971	0.030	144	0.263
973	0.060	145	0.344
103	0.020	146	0.036
986	0.193	147/1	0.405
106	0.200	148	0.405
107	0.069	147/2	0.140
969	0.040	160	0.070
113	0.061	175/1	0.350
114	0.040	162	0.150
115	0.039	165	0.202
116	0.085	166	0.458
125	0.070	168	1.117
122/2	0.425	170	1.360
161	0.552	174	0.146
122/3	0.470	181	0.130
124	0.005	175/2	0.070
126	0.070	177	0.175
127	0.125	180	0.020
149	5.666	182	0.090
150	0.271	183	0.080
151	0.480	854	0.384
152	0.070	855	0.620
153	0.700	857	0.040
163	0.967	858	0.110
164	0.636	871	0.100
128	0.134	875	0.040
129	0.247	876	0.110
130	0.065	860/2	0.300
131	0.036	896	0.300
132	0.012	897	0.020
133	0.053	898	0.070
134	0.160	899	0.100
135	0.283	900	0.040
136	0.036	901	0.120
137	0.024	902	0.336
138	0.146	903	0.441
139	0.304	905	0.235
140	0.081	906	0.202
141	0.032	907	0.113
142	0.117	908	0.263
143	0.105	909	0.073

(1)	(2)	(1)	(2)
910	0.166	962	1.630
911	0.105	963	0.061
912	0.073	964	0.259
913	0.154	965	0.284
916/3	0.170	966	0.348
917	0.085	967	0.089
918	0.060	972	0.032
915	0.070	974	0.060
916/1	0.340	988	0.360
916/2	0.140	989	0.105
919	0.070	990	0.024
920	0.090	991	0.275
921	0.073	992	0.235
922	0.020	993	0.182
923	0.360	994	0.012
924	0.559	995	0.053
925	0.498	996	0.093
927	0.061	987/2	0.202
928/1	0.061	968	0.032
929	0.398	970	0.022
931	0.700	975	0.051
932	0.142	985	0.154
933	0.129	योग : 80.664	
934	0.117	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये भूमि की आवश्यकता है—	
935	0.028	बहादुरगढ़ तालाब योजना के डूब एवं बांध निर्माण हेतु.	
936	0.045	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)	
938	0.070	एवं भू-अर्जन अधिकारी, टीकमगढ़ एवं कार्यपालन यंत्री,	
939	0.045	जल संसाधन संभाग, टीकमगढ़, जिला-टीकमगढ़ के	
940	0.040	कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.	
941	0.154	मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,	
942	0.085	रघुराज राजेन्द्रन, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.	
943	0.073		
944	0.150		
945/3	0.777	कार्यालय, कलेक्टर, जिला मंदसौर, मध्यप्रदेश एवं	
945/4	0.300	पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग	
946	0.012		
945/1068	1.108	मंदसौर, दिनांक 4 जनवरी 2013	
947	0.060		
987/1	1.028	ई. क्र. 49-रीडर-12-प्र.क्र. 2-अ-82-11-12.—चूंकि, राज्य	
961/1	0.210	शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के	
961/2	1.011	पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि	
		की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन	

अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा यह भी घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—मन्दसौर
(ख) तहसील—सीतामऊ
(ग) ग्राम—कम्माखेडी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.000 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
150/मिन-1	3.000
योग :	<u>3.000</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—कोटेश्वर तालाब योजनान्तर्गत स्पिल एवं एप्रोच से प्राप्त मिट्टी की डंपिंग हेतु.
(3) भूमि का नक्शा प्लान का निरीक्षण, कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी, उपखण्ड सीतामऊ में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
शशांक मिश्र, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला ग्वालियर, मध्यप्रदेश
एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

ग्वालियर, दिनांक 7 जनवरी 2013

प्र. क्र. 78-अ-82-11-12-भू-अर्जन.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की निम्न प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—ग्वालियर
(ख) तहसील—डबरा

- (ग) ग्राम—जौरासी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.437 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जित किया जाने वाला रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
533	0.437
योग :	<u>0.437</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है—हरसी उच्चस्तरीय नहर के निर्माण हेतु.
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. नरहरि, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला उमरिया, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

उमरिया, दिनांक 8 जनवरी 2013

क्र. भू-अर्जन-2012-81.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—उमरिया
(ख) तहसील—मानपुर
(ग) ग्राम—पटेहरा, पटवारी हल्का नं.—51
(घ) लगभग क्षेत्रफल—11.583 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
501/2	1.905
500	0.332
388/2	0.342

(1)	(2)	(1)	(2)
388/3	0.342	शासकीय भूमि	
388/4	0.285	501/1	3.245
389/4	0.120	388/1क	1.604
388/5	0.230	384/1क	0.256
501/3	0.572	497/1	0.200
384/6	0.300	502	3.269
501/6	0.380	327/2	0.400
388/9	0.280	380/3	0.300
388/10	0.080	364	0.160
501/07	0.280	499	0.129
388/11	0.720	497/2	0.380
501/8	0.250	372/1ब	0.050
501/9	0.384	372/2	0.080
387/2क	0.200	501/1	0.168
387/2ख	0.200	246/1क	0.250
387/3	0.259	497/2	0.125
386	0.036	कुल योग . .	<u>22.199</u>
385/1क	0.038	अनुसूची	
385/1ख	0.039	(1) भूमि का वर्णन—	
383/1	0.420	(क) जिला—उमरिया	
383/2	0.420	(ख) तहसील—मानपुर	
384/5	1.210	(ग) ग्राम—कुटुलिया, पटवारी हल्का नं.—51	
388/6	0.060	(घ) लगभग क्षेत्रफल—2.576 हेक्टेयर.	
387/1क	0.089	खसरा	अर्जित रकबा
381	0.180	नम्बर	(हेक्टर में)
382	0.020	(1)	(2)
497/3	0.240	166/1	0.060
380/2	0.200	166/2	0.075
497/3	0.100	163/1	0.040
496	0.029	163/2	0.040
493/3	0.202	289/2	0.024
494/6	0.168	215/391	0.132
258/4	0.164	169	0.056
258/5	0.082	207/1	0.036
258/511	0.025	209	0.080
246/1ख	0.100	192/396	0.030
246/6	0.200		
201/5	0.100		
योग—निजी भूमि : <u>11.583</u>			

(1)	(2)	(1)	(2)
392	0.040	355/2	0.300
216	0.012	357/1	0.300
217/1	0.020	173	0.100
220	0.020	284/5	0.104
217/2	0.016	374/4	0.240
270/2	0.050		<u>4.190</u>
270/1	0.080		
270/3	0.050		
270/401	0.032		
291/1	0.184		
291/2	0.092		
291/3	0.093		
292	0.052		
307/2	0.158		
307/3	0.020		
305/2	0.070		
305/3	0.080		
332	0.024		
331	0.010		
330	0.010		
313	0.030		
314	0.024		
284/2	0.036		
355/5	0.160		
355/3ख	0.100		
355/3क	0.060		
355/7क	0.040		
355/408	0.060		
373	0.080		
370/2	0.120		
171	0.100		
368	0.020		
372	0.060		
योग—निजी भूमि :	<u>2.576</u>		
शासकीय भूमि			
172	0.280		
225	0.040		
221	0.050		
284/1	0.200		

(1)

(2)

शासकीय भूमि

604/1	0.100
33/1	0.120
604/5	0.080
कुल योग . .	<u>0.889</u>

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—उमरिया
(ख) तहसील—मानपुर
(ग) ग्राम—सेमरीटोला, पटवारी हल्का नं.—53
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.177 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	अर्जित रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)

120/2	0.160
120/4	0.080
135/2	0.100
135/1	0.080
134/2	0.020
131	0.080
157	0.072
132/1	0.040
132/2	0.040
149/1	0.100
148/2	0.145
152	0.120
160/2क	0.020
160/2ख	0.020
160/2ग	0.020
156/1ख	0.080

योग—निजी भूमि : 1.177

शासकीय भूमि

118/1	0.100
141	0.040
110	0.180
158	0.020
कुल योग . .	<u>1.517</u>

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—उमरिया
(ख) तहसील—मानपुर
(ग) ग्राम—सिगुड़ी, पटवारी हल्का नं.—52
(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.383 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	अर्जित रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)

शासकीय भूमि

1103/2	0.800
1105	2.003
1108/2	0.580
कुल योग . .	<u>3.383</u>

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—उमरिया
(ख) तहसील—मानपुर
(ग) ग्राम—भड़ारी, पटवारी हल्का नं.—52
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.440 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	अर्जित रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)

शासकीय भूमि

2	0.560
165/1	0.200
165/2	0.200
166	0.480

कुल योग . . 1.440

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—भड़ारी जलाशय योजना, शीर्ष एवं नगर कार्य हेतु.
(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, जिलाध्यक्ष उमरिया (म.प्र.) एवं कार्यालय कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, उमरिया (म.प्र.) में किया जा सकता है.
(4) भू-अर्जन अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत कार्यवाही हेतु आदेशित किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुरेन्द्र उपाध्याय, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजगढ़ (ब्यावरा), मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग	(1)	(2)
	11/2	0.040
	26/2	0.026
		योग : 1.091

राजगढ़, दिनांक 9 जनवरी 2013

क्र. 233-भू-अर्जन-2012.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन (दाता ग्राम से किला अमरगढ़ सड़क निर्माण) प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

ग्राम—हमीरपुरा

46	0.240
112	0.084
58	0.028
48/1/1	0.064
111	0.100
113	0.016
	योग : 0.532

(1) भूमि का वर्णन—

ग्राम—पडिया

(क) जिला—राजगढ़

(ख) तहसील—राजगढ़ के ग्राम—दण्डजागीर, हमीरपुरा जागीर, पडिया, कराडिया, धनवासकला, भियापुरा, पाटडीकला, भवानीपुरा, भगोतीपुरा, शंकल्या, बावडीपुरा, डुंगापुरा, शोभापुरा, अमरगढ़.

(ग) लगभग क्षेत्रफल—24.655 हेक्टेयर.

सर्वे नं.

रकबा

(हेक्टर में)

(1)

(2)

ग्राम—दण्डजागीर

1/1	0.048	190/1	0.120
1/9	0.044	346/2	0.010
1/12	0.032	347/2	0.086
11/1	0.064	349/1	0.040
23	0.120	349/4	0.040
21/1	0.010	330/1	0.066
1/2	0.019	331/2	0.033
1/10	0.044	298	0.088
13	0.320	321	0.010
98/2	0.016	170	0.044
25	0.110	297	0.088
26/1	0.026	151	0.134
1/3	0.020	211	0.025
1/11	0.032	190/2	0.120
2	0.120	346/3	0.012
		347/3	0.086
		349/2	0.040
		326/2	0.070
		330/2	0.066
		333/1	0.080
		169	0.063
		150	0.068
		191	0.184
		211/1	0.025
		174	0.080
		346/1	0.010

(1)	(2)	(1)	(2)
347/1	0.086	142	0.098
347/4	0.086	309/2	0.030
349/3	0.040	459/675	0.020
331/1/2	0.044	472/1	0.068
331/1/1	0.044	132	0.010
157	0.005	144/1/1	0.030
300	0.090	309/1	0.026
158	0.100	459/676	0.020
193	0.025	136	0.128
150	0.065	144/2	0.095
209	0.088	310/1	0.010
योग :	<u>2.361</u>	71	0.010
		योग :	<u>0.682</u>

ग्राम—कराडिया

71	0.080
76	0.240
84/1	0.024
84/2/2	0.096
91	0.028
101/3	0.060
177/1	0.005
217	0.024
90	0.024
83/1	0.020
88/1	0.028
88/2	0.030
95	0.112
211	0.038
178	0.202
72	0.174
83/2	0.030
213/1	0.077
89	0.016
99	0.224
100	0.010
216	0.172
योग :	<u>1.714</u>

ग्राम—धनवासकला

75/1/1	0.137
--------	-------

ग्राम—भियापुरा

272/2	0.252
293	0.084
294	0.088
315	0.096
326/2	0.094
416 अ	0.056
429/2	0.176
279	0.176
286	0.084
313	0.044
312	0.064
415 अ	0.086
416 ब	0.044
432	0.132
274	0.040
392	0.120
314	0.036
326/1	0.152
415 ब	0.092
418	0.290
योग :	<u>2.206</u>

ग्राम—पाटडीकला

176	0.160
455/3	0.073

(1)	(2)	(1)	(2)
248/4	0.080	553/2	0.120
581/3	0.009	172/1	0.062
455/1	0.036	581/4	0.009
248/1	0.080	458/3	0.019
458/4	0.019	172/3	0.062
192/2	0.165	581/1	0.009
251/1	0.040	455/2	0.036
372	0.108	182	0.388
511	0.010	192/3	0.165
453	0.200	251/2	0.040
454	0.320	357	0.277
370	0.370	386	0.130
354	0.250	350	0.072
514	0.070	456	0.024
555/1	0.045	342	0.024
518	0.010	513	0.038
538	0.051	517/1	0.030
574	0.042	555/2	0.045
582	0.080	537	0.044
552	0.256	556	0.120
178	0.136	579	0.064
458/2	0.019	613/712	0.025
172/2	0.062	योग : <u>6.351</u>	
248/3	0.080	ग्राम—भवानीपुरा	
458/1	0.019		
172/4	0.062	239/1	0.135
248/2	0.080	242/1	0.053
192/1	0.165	248	0.992
251/3	0.040	253/2	0.020
387	0.258	258	0.344
580	0.078	259/6	0.060
236	0.024	297	0.180
457	0.116	239/2	0.135
462/2	0.120	242/2	0.054
368	0.220	249	0.091
521	0.051	254/1	0.050
517/2	0.030	259/1	0.120
536	0.048	260	0.066
550	0.040	320	0.340
576	0.162	239/3	0.135
616/1	0.264		

(1)	(2)	(1)	(2)
242/3	0.054	7ब	0.076
253/1	0.020	11	0.040
254/2	0.050	7अ	0.068
259/3	0.060	8	0.022
296	0.112	योग :	0.303
319	0.060		
योग :	3.131		
ग्राम—राकल्या		ग्राम—बावड़ीपुरा	
1	0.140	2/1	0.470
6	0.080	2/4	0.050
18	0.200	2/2	0.050
31	0.255	2	0.182
93	0.152	2/3	0.050
7	0.110	योग :	0.802
19	0.044	ग्राम—शोभापुरा	
92	0.132	24	0.394
34	0.176	41	0.173
94	0.290	28/1	0.050
5	0.086	32	0.281
17	0.134	31/2	0.047
29	0.168	39	0.050
91	0.136	42	0.145
योग :	2.103	44	0.020
ग्राम—भगवतीपुर		38	0.050
3/1	0.060	52	0.005
5	0.150	64/2	0.025
3/5	0.060	125	0.005
7/1	0.018	129	0.012
4	0.190	31/1	0.047
योग :	0.478	127	0.076
ग्राम—डुंगरपुर		36/4	0.155
6अ	0.013	110	0.020
6स	0.013	94	0.020
10	0.058	46	0.086
6ब	0.013	43	0.074
		54	0.005
		30	0.094
		27	0.164
		130	0.076
		28/3	0.050

(1)	(2)	सर्वे नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
		(1)	(2)
36/1	0.055		
37	0.196		
111	0.005		
103	0.060		
64/1	0.127		
51/9	0.044		
55	0.005		
108	0.015		
योग : <u>2.631</u>			
ग्राम—अमरगढ़			
52	0.028		
62	0.040		
56	0.032		
63	0.090		
61	0.032		
योग : <u>0.222</u>			
(2) उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है (दाताग्राम से किला अमरगढ़ सड़क निर्माण) प्रयोजन में प्रभावित भूमि हेतु.			
(3) भूमि के नक्शे (प्लान) आदि का निरीक्षण, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.			
क्र. 235-भू-अर्जन-2012.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन (चाटूखेडा से सुस्तानी सड़क निर्माण) प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—			
अनुसूची			
(1) भूमि का वर्णन—			
(क) जिला—राजगढ़			
(ख) तहसील—राजगढ़ के ग्राम—चाटूखेडा सौँधिया, लसुडलीधाकड़, पीपलखेड़ा, गिन्दोरी, सुस्तानी, दुबली, चोतरा, धुलेन, देवलीचारण, लटूरी दांगी.			
(ग) लगभग क्षेत्रफल—12.990 हेक्टेयर.			
			योग : <u>0.691</u>

(1)	(2)	(1)	(2)
ग्राम—लसुडलीधाकड़		710/3	0.142
410/3	0.032	710/5	0.400
452/1/2	0.007	710/1	0.035
452/2/2	0.008	763/1	0.010
415/1	0.004	768	0.040
417	0.028	769	0.044
441	0.036	771/1	0.004
443/1	0.009	771/2	0.004
443/2	0.010	772	0.046
444	0.009	819	0.005
445	0.009	775	0.031
446	0.012	816/1	0.044
448/2	0.003	816/2	0.044
448/1	0.003	818/1	0.014
449	0.012	821/1	0.006
451/1/1	0.016	821/2	0.010
451/1/2	0.020	822	0.003
451/2/1	0.008	837	0.056
453/1/1	0.002	840	0.032
451/2/2	0.008	453/3	0.016
452/1/1	0.007	453/4	0.032
452/2/1	0.008	योग : 2.183	
453/1/2	0.003	ग्राम—पीपलखेड़ा	
453/1/3	0.003	3/1	0.016
454/3	0.040	86/1	0.025
820/1	0.002	87/1	0.034
519	0.030	92/1	0.056
520	0.003	255/3	0.035
521/1	0.038	354/1	0.016
521/2	0.038	87/2	0.040
619	0.015	88/1	0.013
620	0.040	92/2	0.016
621	0.045	258/1	0.004
622	0.002	319/3	0.002
761	0.035	87/3	0.040
762	0.032	88/2	0.027
708/3	0.280	258/2	0.004
710/4	0.032	319/1	0.002
712/2	0.166	351/1	0.006
710/2	0.110		

(1)	(2)	(1)	(2)
81	0.025	321	0.051
83	0.202	323	0.025
32	0.025	295/1	0.025
84	0.114	543/1	0.008
235	0.008	295/2	0.025
236	0.030	543/2	0.008
237	0.015	598/2	0.120
262	0.048	7/2/1	0.003
352	0.024	7/2/2	0.012
353/666	0.010	255/1	0.035
259	0.075	31/1	0.040
248/2	0.008	324	0.036
307/1	0.061		योग : 2.198
326	0.017		
227	0.008		ग्राम—गिन्दोरी
544/1/1	0.006	213/2	0.010
37	0.040	583/2	0.025
544/1/2	0.006	220/1	0.035
15	0.060	251	0.018
35	0.008	221	0.018
228	0.032	222	0.020
33	0.013	229/1	0.037
14	0.060	229/2	0.012
308	0.032	242/1	0.005
320	0.020	243/1	0.051
294	0.015	560/1	0.050
543/3	0.008	582/1	0.016
544/2	0.015	583/1	0.024
4/2	0.006	584/1	0.080
86/2	0.025	253	0.045
319/2	0.002	643	0.003
76	0.032	644	0.070
82/1	0.052	580/2	0.010
74	0.050	584/2	0.080
75	0.139	256, 257	0.030
42/1	0.016	582/2	0.042
255/2	0.035	223	0.019
256	0.012	264	0.021
31/2	0.060	265	0.051
34	0.020	267	0.045
261/2	0.040	270/2	0.013

(1)	(2)	(1)	(2)
559/2, 560/2	0.008	218/1	0.002
562/2	0.010	241/1	0.004
575/2, 576/2	0.021	248	0.005
575/3, 576/3	0.010	318	0.006
578/2	0.054	188	0.006
626/1	0.053	242/2/2	0.018
631/2	0.003	216	0.012
627/2	0.024		योग : 0.097
649	0.080		
562/1	0.015		ग्राम—दुबली
562/3	0.005	16/2	0.253
562/4	0.005	20/1	0.018
627/1	0.050	20/2	0.116
629/2	0.003	21/2	0.005
626/2	0.048	20/3	0.064
641/1	0.032	20/4/1	0.035
650	0.255	21/3	0.150
270/1	0.012	23/4	0.009
575/4, 576/4	0.012	18/4	0.098
632	0.060	18/5	0.098
648	0.057	18/6	0.100
575/1/1, 576/1/1	0.032	20/4/2	0.009
575/1/2, 576/1/2	0.032		योग : 0.955
249/2	0.010		
250	0.012		ग्राम—चोतरा
271/1	0.032	67/1	0.056
271/2	0.017	68/2	0.012
271/3	0.015	70/1	0.022
635/2/2	0.060	67/2/1	0.010
625/1/2	0.067	68/1/1	0.011
योग : 1.924		70/2/1	0.013
ग्राम—सुस्तानी		67/2/2	0.010
		68/1/2	0.011
324	0.006	70/2/2	0.013
326	0.003	67/2/3	0.010
321	0.012	68/1/3	0.010
319	0.005	70/2/3	0.014
215	0.005	312/1	0.072
249	0.005	312/2	0.101
217	0.005	541	0.072
247/1	0.003	540	0.050

(1)	(2)	(1)	(2)
539	0.082	ग्राम—देवलीचारण	
528	0.114	356/9	0.138
523	0.136	356/8	0.180
526	0.072		योग : 0.318
	योग : 0.891		

ग्राम—धुलैन

ग्राम—लटूरी दांगी

8/1	0.165	415/1	0.010
8/2	0.092	416	0.010
10/1/1	0.081	221/1	0.035
58/1	0.196	275/1	0.005
10/1/2	0.081	478/2	0.027
32/2	0.020	269/1	0.016
58/2	0.196	269/2	0.008
14/1	0.024	269/3	0.008
32/1	0.240	268	0.012
33/1	0.128	231	0.090
39/1	0.010	222	0.095
34/1	0.108	226/1	0.010
34/2	0.108	226/2	0.050
35	0.080	223/4	0.090
86	0.060	226/3	0.040
85/2	0.038	224	0.085
40/2	0.210	480/2	0.035
57/2/1	0.156	480/1/1	0.035
85/1	0.040	450	0.085
84	0.008	473	0.045
40/1/1	0.056	476/2	0.032
57/1/2	0.080	478/1	0.028
39/4	0.010	221/2	0.035
41/2	0.096		योग : 0.851
57/1/1	0.080		

62/1	0.180
64/4	0.112
62/2	0.080
62/3	0.015
66/1	0.015
60	0.032
61	0.078
	योग : 2.875

(2) उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है (चाटुखेड़ा से सुस्तानी सड़क निर्माण) प्रयोजन में प्रभावित भूमि हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) आदि का निरीक्षण, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. बी. ओझा, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला धार, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

धार, दिनांक 5 जनवरी 2013

क्र. 01-भू-अर्जन-मान-जोबट परि.-2012.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—धार
- (ख) तहसील—कुशी
- (ग) ग्राम—दुगांवा
- (घ) लगभग क्षेत्रफल—0.145 हैक्टर.

अनुसूची

सर्वे नंबर निजी	अर्जित रकबा (हैक्ट. में)
(1)	(2)
218/01	0.145
योग : 0.145	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है—जोबट सिंचाई परियोजना अंतर्गत नहर निर्माण से प्रभावित होने से.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, मान परियोजना, धार जिला धार तथा कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-16 कुशी जिला धार के कार्यालय के कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है.

धार, दिनांक 10 जनवरी 2013

क्र. 22-भू-अर्जन-2012-भू-अर्जन प्र. क्र. 3-अ-82-2011-12-संशोधन.—कार्यालयीन पत्र क्र. 219-भू-अर्जन-2012 धार दिनांक 25 जुलाई 2012 से ग्राम सेमल्दा तहसील धरमपुरी जिला धार का रकबा 0.144 हेक्टेयर के भू-अर्जन प्रकरण में भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (सन् 1894 का क्रमांक-एक) की धारा-6 के अंतर्गत जारी उद्घोषणा, प्रयोजन, ऑकारेश्वर परियोजना की दायी तट नहर प्रणाली चरण-III की वितरण/लघु/उप नहरें एवं उससे संबंधित अन्य कार्य से प्रभावित, का प्रकाशन, मध्यप्रदेश राजपत्र भाग-1 दिनांक 3 अगस्त 2012 के पृष्ठ क्रमांक 3035 पर तथा समाचार-पत्र पीपुल्स

समाचार दिनांक 29 जुलाई 2012, दैनिक अवन्तिका दिनांक 29 जुलाई 2012 एवं स्वदेश दिनांक 31 जुलाई 2012 को हुआ है. जिनका जी नम्बर 17683/12 है. उक्त प्रकाशन में खसरा क्र. 185/1 के स्थान पर खसरा क्र. 185/5 प्रकाशित हो गया है. अतः निम्नानुसार संशोधन पढ़ा जावे:—

संशोधित उद्घोषणा

ग्राम—सेमल्दा, तहसील—धरमपुरी, जिला—धार

पूर्व में प्रकाशित खसरा नम्बर	संशोधित प्रविष्टि खसरा नम्बर
(1)	(2)
185/5	185/1

शेष प्रविष्टियां यथावत रहेंगी.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सी. बी. सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दमोह, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

दमोह, दिनांक 11 जनवरी 2013

पत्र क्र. क-भू-अर्जन-हटा-2013.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—दमोह
- (ख) तहसील—बटियागढ़
- (ग) नगर/ग्राम—फतेहपुर, नीमी, खैरी रामदास
- (घ) लगभग क्षेत्रफल—18.46 हेक्टेयर.

अर्जित की जा रही भूमि की सूची

खसरा नंबर	अर्जित रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)

ग्राम—फतेहपुर

203/1 में से	0.06
201/5, 203/5 में से	0.26

(1)	(2)	(1)	(2)
201/6, 203/6 में से	0.28	852/1 में से	0.06
200/3, 201/3 में से	0.02	852/2 में से	0.04
201/4, 203/4 में से	0.14	226 में से	0.14
201/2 में से	0.13	228 में से	0.06
353 में से	0.22	229 में से	0.11
354 में से	0.53	230/4 में से	0.04
360/3 में से	0.22	230/3 में से	0.12
368 में से	0.11	308 में से	0.07
369/1 में से	0.29	309/1, 2 में से	0.06
550 में से	0.05	310 में से	0.03
551 में से	0.08	313 में से	0.09
552/3 में से	0.12	314 में से	0.16
549 में से	0.18	316 में से	0.10
553, 1182/1 में से	0.13	344 में से	0.15
590 में से	0.01	342 में से	0.05
589 में से	0.14	334 में से	0.10
594/1 में से	0.08	335 में से	0.02
594/2 में से	0.06	429/2 में से	0.32
610 में से	0.10	429/4 में से	0.14
601/1 में से	0.14	429/3 में से	0.16
833 में से	0.03	430/2 में से	0.08
832/4 में से	0.06	463/2, 3 में से	0.22
830/2 में से	0.13	463/1 में से	0.14
828/2, 3 में से	0.09	424/1 में से	0.04
828/1 में से	0.02	470 में से	0.28
827 में से	0.06	423 में से	0.16
809/2 में से	0.04	472/2 में से	0.03
826/1, 2 में से	0.16	416 में से	0.13
816 में से	0.01	417 में से	0.16
819/1, 2 में से	0.05	414 में से	0.05
825 में से	0.09	413 में से	0.09
822/3 में से	0.05	408/1 में से	0.03
822/2 में से	0.04	410 में से	0.10
822/1 में से	0.04	404/3 में से	0.06
820 में से	0.04	404/1 में से	0.07
821 में से	0.04	404/4 में से	0.09
848/1 में से	0.06	411 में से	0.16
847 में से	0.17	399/1 में से	0.07
849 में से	0.03	399/2 में से	0.09
850/1 में से	0.10	400/1 में से	0.05
853 में से	0.04	400/2 में से	0.03

(1)	(2)
400/3 में से	0.04
514/1 में से	0.08
514/2 में से	0.12
1015/2 में से	0.10
1014/ में से	0.16
1013/2 में से	0.03
1016 में से	0.06
1030/2 में से	0.01
1025 में से	0.14
1026/1, 2, 3 में से	0.15
1043, 1185/2 में से	0.08
1043 में से	0.13
1042/2 में से	0.13
1077/1 में से	0.10
1077/4 में से	0.07
1077/3 में से	0.06
1077/2 में से	0.13
1082/2 में से	0.15
1083/2 में से	0.17
1083/1 में से	0.06
1083/3 में से	0.06
1084/4, 5, 6 में से	0.09
1086/1 में से	0.23
1110/1 में से	0.05
1110/2 में से	0.11
1110/3 में से	0.04
1109 में से	0.17
1108 में से	0.10
1119/6 में से	0.05
1130/2 में से	0.07
1129 में से	0.16
1145/1 में से	0.11
1145/2 में से	0.06
1145/3 में से	0.07
1144/1, 2 में से	0.15
1144/3 में से	0.03
1138/1 में से	0.18
1141/1 में से	0.21
1158 में से	0.45
121/1 में से	0.20
योग :	<u>13.41</u>

(1)	(2)
ग्राम—नीमी	
349/1 में से	0.16
349/5 में से	0.07
348 में से	0.02
353 में से	0.29
354 में से	0.18
355 में से	0.16
358/1, 2 में से	0.15
356 में से	0.10
357 में से	0.15
363 में से	0.18
365/1, 2 में से	0.34
366/1, 2, 3, 4 में से	0.26
367 में से	0.18
368 में से	0.31
371 में से	0.02
370 में से	0.28
योग :	<u>2.85</u>

ग्राम—खैरी रामदास	
163 में से	0.14
188/1, 3 में से	0.12
188/2 में से	0.03
187/1 में से	0.12
187/2 में से	0.08
185 में से	0.18
202 में से	0.17
206/1, 5 में से	0.17
207 में से	0.13
199/3 में से	0.01
212 में से	0.08
222 में से	0.24
215/1, 3 में से	0.40
220/1 में से	0.01
223/2 में से	0.15
223/1 में से	0.17
योग . .	<u>2.20</u>
कुल योग . .	<u>18.46</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—फतेहपुर जलाशय योजना के नहर कार्य हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व) हटा एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग दमोह के कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
स्वतंत्र कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला छतरपुर, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

छतरपुर, दिनांक 9 जनवरी 2013

प्र. क्र. 18-अ-82-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—छतरपुर

(ख) तहसील—लवकुशनगर

(ग) ग्राम—मड़वा

(घ) लगभग क्षेत्रफल निजी भूमि—12.346 हेक्टर.

खसरा अर्जित रकबा
क्रमांक (हेक्टेयर में)
(1) (2)

116/3 0.010
855/2 0.130
859/2 0.058
853/2 0.072
854/2 0.015
842/2 0.102
840/2 0.010
859/1 0.201
855/1 0.115
988/5 0.216
144/1 0.020
129/1 0.144
128/2 0.156
112/1 0.115
988/3/2 0.144
897 0.134
860 0.460
843 0.086
888 0.077
889 0.047
890 0.122

(1)	(2)
891	0.056
893	0.005
70/1/2/1	0.130
834/2	0.034
128/1	0.080
78/1/2	0.115
840/1	0.010
984/2	0.010
990	0.230
989	0.044
991	0.216
993	0.173
982/1	0.210
844/1	0.051
895/1	0.054
981/2	0.026
91	0.564
80	0.077
81	0.154
88	0.010
89	0.120
919	0.010
919	0.010
143/2	0.083
111	0.130
70/1/1	0.250
886	0.203
117	0.134
78/1/1	0.134
872	0.245
873	0.140
875	0.046
118	0.048
78/2/2	0.115
950/3	0.504
127	0.015
126	0.052
125	0.198
116/4	0.045
116/4	0.050
853/1	0.058
842/1	0.100
854/1	0.015
915	0.240

		छतरपुर, दिनांक 11 जनवरी 2013	
(1)	(2)		
866	0.446	<p>प्र. क्र. 7-अ-82-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:—</p> <p style="text-align: center;">अनुसूची</p> <p>(1) भूमि का वर्णन—</p> <p>(क) जिला—छतरपुर</p> <p>(ख) तहसील—लवकुशनगर</p> <p>(ग) ग्राम—गुढ़ाखुर्द</p> <p>(घ) लगभग क्षेत्रफल निजी भूमि—9.919 हेक्टर.</p>	
899	0.080		
896	0.055		
881	0.010		
882	0.106		
883	0.154		
884/1	0.020		
884/2	0.096		
98	0.198		
100	0.020		
122/2	0.094	<p>खसरा क्रमांक (1)</p>	<p>अर्जित रकबा (हेक्टर में) (2)</p>
123/2	0.115		
143/1	0.045	543 शा. नं. 544	0.264
130	0.173	289	0.225
129/2	0.173	291	0.177
103/1	0.290	246	0.068
103/1	0.245	639	0.130
116/2	0.010	620	0.060
76	0.040	520/1	0.144
912	0.005	282	0.040
913	0.106	540	0.136
914	0.115	623	0.192
894/3	0.174	626	0.096
898/2	0.102	515	0.012
116/1	0.101	336/1/2	0.064
852	0.162	621/2	0.108
950/2	0.677	638/2	0.095
982/2	0.205	521	0.015
121	0.298	279/1	0.105
951/2/3	0.062	341	0.090
112/2	0.115	539	0.020
1094/3	0.010	240	0.012
980/2	0.048	408/1/2	0.038
916	0.005	339	0.040
874	0.163	614	0.280
		630	0.126
		276/1	0.040
योग . . 12.346			
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—सिंहपुर			
बैराज परियोजनांतर्गत मुख्य/शाखा नहर हेतु.			
(3) भूमि के नक्शों (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन अधिकारी			
एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लवकुशनगर में			
किया जा सकता है.			

(1)	(2)	(1)	(2)
619	0.115	420/2	0.028
622	0.024	517	0.072
406	0.067	516/1	0.086
342	0.086	408/1/1/2	0.006
482/1	0.144	537	0.264
511	0.012	551	0.076
512	0.144	280	0.288
534	0.163	529	0.421
607	0.036	530/2	0.075
641/3	0.065	276/2	0.120
407/1	0.048	615	0.240
407/2	0.144	288	0.192
336/1/1	0.090	343	0.075
627	0.144	422	0.200
527	0.210	योग . .	9.919
241	0.144		
641/1	0.135	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—सिंहपुर	
606	0.220	बैराज परियोजनांतर्गत मुख्य नहर/शाखा नहर हेतु.	
530/1	0.175	(3) भूमि के नक्शों (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन अधिकारी	
531	0.011	एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लवकुशनगर में	
403	0.120	किया जा सकता है.	
255	0.010		
520/2	0.005		
547	0.090		
408/1/1/1	0.240	प्र. क्र. 15-अ-82-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात	
616	0.130	का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित	
603, 604	0.317	भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक	
600	0.222	प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894	
602	0.160	(क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह	
548	0.144	घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये	
549	0.120	आवश्यकता है:—	
550	0.019	अनुसूची	
638/1	0.100	(1) भूमि का वर्णन—	
514	0.144	(क) जिला—छतरपुर	
631	0.108	(ख) तहसील—लवकुशनगर	
253 शा. नं. 254	0.336	(ग) ग्राम—गुढ़ाकला	
348	0.016	(घ) लगभग क्षेत्रफल निजी भूमि—8.377 हेक्टर.	
247	0.096	खसरा	अर्जित रकबा
281	0.120	क्रमांक	(हेक्टर में)
632/1	0.066	(1)	(2)
632/2	0.066	1410	0.164
605	0.005	1420/1	0.195
641/2	0.120		
420/1	0.268		

(1)	(2)	(1)	(2)
776	0.207	1297	0.245
1293/1	0.010	1221/2	0.310
1386	0.036	1223	0.270
1385	0.165	374	0.300
1293/2	0.010	1296	0.010
866	0.200	1383/2	0.076
1313	0.005	754	0.200
1428	0.048	1286	0.010
766	0.200	847	0.005
1299	0.125	1383/1	0.059
1285	0.191	761	0.020
1229/2	0.207	योग . .	8.377
1427	0.210		
848/1	0.100	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—सिंहपुर	
848/2	0.250	बैराज परियोजनांतर्गत मुख्य नहर/शाखा नहर हेतु,	
1281	0.152	(3) भूमि के नक्शों (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन अधिकारी	
765	0.195	एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लवकुशनगर में	
762	0.225	किया जा सकता है.	
854	0.005		
774	0.410		
859	0.250	प्र. क्र. 22-अ-82-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात	
1384/1	0.125	का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित	
869	0.220	भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक	
755	0.200	प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894	
856	0.250	(क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत, इसके द्वारा, यह	
865	0.025	घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये	
1426	0.125	आवश्यकता है:—	
1234	0.330	अनुसूची	
894	0.120		
750	0.210	(1) भूमि का वर्णन—	
1418	0.040	(क) जिला—छतरपुर	
1284	0.020	(ख) तहसील—लवकुशनगर	
1217/1	0.110	(ग) ग्राम—रनमऊ	
849	0.100	(घ) लगभग क्षेत्रफल निजी भूमि—4.081 हेक्टर.	
1373	0.275	खसरा	अर्जित रकबा
1292	0.187	क्रमांक	(हेक्टेयर में)
1230	0.205	(1)	(2)
1151	0.005	134	0.052
870	0.220	135	0.160
1314/2	0.170	463	0.025
1226	0.155	475	0.275
1217/2/1	0.140	478	0.352
751/1	0.005	479	0.110
1217/2/2	0.075		

(1)	(2)
522	0.022
524	0.263
526	0.012
539	0.134
540	0.176
561	0.107
562	0.228
564	0.032
136/1	0.076
136/2	0.077
476/1	0.162
476/2/2	0.010
498/2	0.104
498/3	0.104
499/2/1	0.025
508/1	0.108
508/2	0.108
513/1	0.071
513/2	0.071
514/1	0.061
514/2	0.061
515/1/1	0.111
515/1/2	0.112
534/1/1	0.201
534/1/2/1	0.008
535/1, 536/2	0.010
535/2, 543/7	0.093
538/1/2, 543/2/2	0.154
543/4/2, 544/2/2	0.070
543/5, 544/3	0.114
545/1	0.108
545/2	0.024
546, 477	0.090
योग . .	<u>4.081</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है—सिंहपुर बैराज परियोजनांतर्गत मुख्य नहर/शाखा नहर हेतु.
- (3) भूमि के नक्शों (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लवकुशनगर में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजेश बहुगुणा, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला हरदा, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

हरदा, दिनांक 8 जनवरी 2013

प्र. क्र. 01-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—हंडिया
(ग) ग्राम—लोटिया, प.ह.नं. 2
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—3.624 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हे. में)
(1)	(2)
8/5	1.080
19/3	0.820
20/5	0.400
42/3	0.503
46/3	0.121
50/2	0.700
योग. .	<u>3.624</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 02-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित

सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—खिरकिया
(ग) ग्राम—नीमखेड़ामाल, प.ह.नं. 62
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—3.564 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हे. में)
(1)	(2)
1/5	0.621
1/18	0.280
1/20	0.430
1/21	1.112
1/22	1.121
योग. .	<u>3.564</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 03-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—खिरकिया

- (ग) ग्राम—साकटया, प.ह.नं. 62
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—12.830 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हे. में)
(1)	(2)
5/3	1.294
5/4	1.847
5/5	0.040
25/1	0.970
33/3	0.121
33/8	0.500
33/9	0.800
33/10	0.550
33/11	1.214
36/1,37/1	0.559
36/2	0.674
36/3,37/3	2.183
36/4,37/4	1.428
37/5	0.650
योग. .	<u>12.830</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 04-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—हंडिया

- (ग) ग्राम—खरदना, प.ह.नं. 2
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—1.153 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हे. में)
(1)	(2)
35/3	0.253
35/5	0.400
35/9	0.500
योग.	<u>1.153</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 05-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—हंडिया
(ग) ग्राम—बिछौलामाल, प.ह.नं. 2
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—1.217 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हे. में)
(1)	(2)
4/4	0.300
181/1	0.474
181/4	0.443
योग.	<u>1.217</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.

- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 06-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—हंडिया
(ग) ग्राम—ऊंवा, प.ह.नं. 3
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—5.676 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हे. में)
(1)	(2)
108	1.254
109/1,109/2	0.800
115/13	0.933
115/14	1.886
115/15	0.803
योग.	<u>5.676</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.

- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 07-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—हंडिया
(ग) ग्राम—करनपुरा, प.ह.नं. 5
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—10.339 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
9/2	0.911
11/2	0.570
11/4	0.973
12/1	0.860
12/2	1.300
16/2, 17	0.832
16/6	1.333
16/4	0.980
16/5	1.643
152/6, 153/2	0.350
152/14, 153/5	0.587
योग.	10.339

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना, हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 08-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन

अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—हंडिया
(ग) ग्राम—पचौला, प.ह.नं. 5
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—1.969 हेक्टर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
2/1	0.260
2/4	0.189
12/2	0.566
17/1	0.369
17/9	0.180
17/10	0.405
योग.	1.969

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना, हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 09-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—हरदा
(ख) तहसील—हंडिया

(ग) ग्राम—बिछौलारैयत, प.ह.नं. 2

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—3.014 हेक्टर.

(ग) नगर/ग्राम—भमरा

(घ) लगभग क्षेत्रफल —12.524 हेक्टेयर.

खसरा नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टर में)	खसरा नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)	(1)	(2)
29/1	0.600	74	0.112
29/2	0.810	75	0.042
30/1	0.489	76	0.094
44/3	0.150	77	0.016
44/4	0.205	81	0.004
44/5	0.155	83	0.004
45/3	0.605	88	0.046
योग. .	3.014	89	0.029
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना में 260 से 262.13 मीटर पर जलभराव किये जाने से प्रभावित निजी भूमि आने से अर्जन किये जाने के कारण.		90	0.132
		91	0.083
		92	0.044
		93	0.014
		94	0.317
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, हरदा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13, खंडवा एवं भू-अर्जन अधिकारी, इंदिरा सागर परियोजना, हरदा के कार्यालय में किया जा सकता है.		108	0.058
		109	0.131
		110	0.004
		111	0.122
		112	0.065
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, <u>सुदाम खाड़े</u> , कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.		113	0.104
		114	0.240
		134	0.022
कार्यालय, प्रशासक, भू-अर्जन एवं पुनर्वास, बाणसागर परियोजना, जिला रीवा, मध्यप्रदेश एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग		135	0.039
		137	0.405
		138	0.090
		139	0.032
		140	0.004
रीवा, दिनांक 10 जनवरी 2013		175	0.064
क्र. 95-भू-अर्जन-11-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—		176	0.058
		177	0.103
		178	0.048
		179	0.209
		195	0.258
		198	0.004
		199	0.158
		320	0.041
अनुसूची		321	0.041
(1) भूमि का वर्णन—		322	0.562
(क) जिला—रीवा		323	0.141
(ख) तहसील—सेमरिया		325	0.100

(1)	(2)
326	0.045
333	0.023
334	0.154
335	0.335
336	0.037
337	0.004
346	0.192
348	0.075
349	0.075
350	0.035
387	0.570
388	0.025
389	0.256
1135	0.468
1136	0.064
1137	0.182
1138	0.071
1139	0.448
1521	0.072
1522	0.482
1523	0.136
1524	0.103
1528	0.213
1529	0.288
1530	0.086
1531	0.004
1534	0.024
1535	0.036
1536	0.059
1537	0.092
1538	0.354
1541	0.272
1542	0.480
1543	0.280
1544	0.332
1545	0.230
1546	0.940
1550	0.144
1551	0.356
1595	0.120
1596	0.084
1612	0.061
1613	0.077
योग . .	<u>12.424</u>

शासकीय

73	0.004
169	0.022
181	0.019
1539	0.055
योग . .	<u>0.100</u>
कुल योग	<u>12.524</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर परियोजना पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सम्पत्तियों के अर्जन हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 97-भू-अर्जन-11-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—रीवा
 (ख) तहसील—सेमरिया
 (ग) नगर/ग्राम—पटेहरा
 (घ) लगभग क्षेत्रफल —4.846 हेक्टर.

खसरा नं.	रकबा (हेक्टर में)
(1)	(2)
93	0.012
94	0.020
95	0.010
99	0.283
100	0.004
101	0.040
169-1	0.101
169-2	0.020
170	0.030
171	0.061

(1)	(2)	(2)
172	0.073	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर परियोजना के अन्तर्गत पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सम्पत्तियों के अर्जन हेतु.
173	0.168	
175	0.012	
176	0.109	
181	0.101	
182	0.010	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर परियोजना, रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.
183	0.246	
184	0.010	क्र. 99-भू-अर्जन-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—
188	0.224	
786/188	0.101	
189	0.048	
190/988	0.162	
200	0.158	
201	0.121	
202	0.020	
204	0.020	
223	0.120	
224	0.032	(1) भूमि का वर्णन—
227	0.179	
228	0.020	(क) जिला—रीवा
230	0.162	(ख) तहसील—सेमरिया
231	0.032	(ग) नगर/ग्राम—डढ़िया
233	0.021	(घ) लगभग क्षेत्रफल —3.075 हेक्टर.
234	0.101	खसरा नं.
334	0.010	रकबा
366	0.010	(हेक्टर में)
373	0.030	(1)
374	0.145	(2)
375	0.290	249
380	0.132	252
381	0.538	267
559	0.101	272
562	0.196	274
566	0.072	275
567	0.162	445
568	0.077	458
569	0.121	459
980	0.020	461
	योग . 4.735	472
शासकीय		474
177	0.010	475
234	0.101	476
	योग . 0.111	478
	कुल योग 4.846	487
		488
		489

(1)	(2)	(1)	(2)
490	0.110	10	0.101
491	0.040	11	0.070
492	0.101	12	0.173
495	0.092	13	0.073
496	0.072	17	0.104
योग . .	3.013	18	0.073
250	0.026	21	0.081
258	0.036	22	0.09
योग . .	0.062	24	0.05
कुल योग	3.075	38	0.020
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर		39	0.036
परियोजना पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने वाली		40	0.472
निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सम्पत्तियों के अर्जन हेतु.		44	0.281
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर		45	0.358
परियोजना, रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.		46	0.050
क्र. 101-भू-अर्जन-2011-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात		47	0.230
का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित		48	0.014
भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के		123	0.211
लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894		124	0.072
(क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित		125	0.012
किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु		133	0.021
आवश्यकता है:—		136	0.217
अनुसूची		137	0.09
(1) भूमि का वर्णन—		143	0.121
(क) जिला—रीवा		144	0.115
(ख) तहसील—सेमरिया		147	0.070
(ग) नगर/ग्राम—कुशवार		148	0.147
(घ) लगभग क्षेत्रफल —9.148 हेक्टर.		169	0.03
खसरा नं.	रकबा	504	0.217
	(हेक्टर में)	507	0.590
(1)	(2)	509	0.094
2	1.536	510	0.16
3	1.120	511	0.016
3/3	0.500	512	0.217
3/25	0.220	679	0.070
4	0.704	योग . .	9.148
5	0.141	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर	
7	0.09	परियोजना के अन्तर्गत पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने	
8	0.091	वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सम्पत्तियों के	
		अर्जन हेतु.	
		(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर	
		परियोजना रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.	

क्र. 103-भू-अर्जन-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—रीवा
(ख) तहसील—सेमरिया
(ग) नगर/ग्राम—तिघरा पैपखार
(घ) लगभग क्षेत्रफल —3.816 हेक्टेयर.

खसरा नं. रकबा
(हेक्टेयर में)

(1)	(2)
1	0.050
2	0.072
3	0.145
4	0.070
5	0.021
6	0.081
7	0.034
9	0.010
10	0.101
181	0.030
183	0.030
187	0.032
188	0.030
189	0.202
191	0.050
192	0.202
199	0.089
238	0.008
239	0.165
241	0.136
242	0.160
243	0.365
254	0.020
256	0.030
292	0.081
293	0.060
294	0.073

(1)	(2)
303	0.160
305	0.093
306	0.041
307	0.030
330	0.280
331	0.202
339	0.020
340	0.141
342	0.082
343	0.061
344	0.088
345	0.150
357	0.081
881/199	0.040
योग . . 3.816	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर परियोजना पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थिति सम्पत्तियों के अर्जन हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर परियोजना रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 105-भू-अर्जन-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—सतना
(ख) तहसील—कोटर
(ग) नगर/ग्राम—चितगढ़
(घ) लगभग क्षेत्रफल —6.209 हेक्टेयर.

खसरा नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
368	0.105

(1)	(2)	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर परियोजना पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थिति सम्पत्तियों के अर्जन हेतु.
370	0.560	
372	0.061	
373	1.212	
380	0.132	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर परियोजना रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.
381	0.010	
382	0.162	
385	0.120	
386	0.090	
387	0.170	
388	0.455	
389	0.010	
430	0.061	
431	0.090	
432	0.300	
435	0.170	
436	0.041	
437	0.021	
438	0.102	
439	0.210	
440	0.234	
441	0.004	
443	0.030	
444/524	0.090	
463	0.132	
464	0.045	
480	0.050	
481	0.006	
482	0.021	
484	0.520	
485	0.140	
488	0.316	
495	0.021	
507	0.140	
508	0.080	
509	0.102	
510	0.128	
शासकीय		(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर परियोजना रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.
465	0.036	
483	0.032	
कुल योग 6.209		

क्र. 107-भू-अर्जन-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—सतना
(ख) तहसील—कोटर
(ग) नगर/ग्राम—देवरा कोठार
(घ) लगभग क्षेत्रफल —1.114 हेक्टेयर.

खसरा नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
511/744	0.607
513	0.466

शासकीय

513/729	0.041
कुल योग . .	<u>1.114</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर परियोजना पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थिति सम्पत्तियों के अर्जन हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर परियोजना रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 109-भू-अर्जन-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894

(क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—सतना
(ख) तहसील—कोटर
(ग) नगर/ग्राम—सेमरी 55/45
(घ) क्षेत्रफल —3.634 हेक्टेयर.

खसरा नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
140	0.140
142	0.012
143	0.070
144	0.180
145	0.132
146	0.320
148	0.040
151	0.004
153	0.222
159	0.101
160	0.180
161	0.132
162	0.133
164	0.121
165	0.070
167	0.004
168	0.148
169	0.004
171	0.004
173	0.748
191/364	0.202

शासकीय

134	0.202
154	0.425
173/345	0.040
कुल योग . .	<u>3.634</u>

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर परियोजना पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सम्पत्तियों के अर्जन हेतु.

- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर परियोजना रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 111-भू-अर्जन-11-12.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत, इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित भूमि के अर्जन हेतु आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—रीवा
(ख) तहसील—सेमरिया
(ग) नगर/ग्राम—बधरा
(घ) क्षेत्रफल —10.093 हेक्टेयर.

खसरा नं.	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
107	0.229
109	0.023
124	0.041
126	0.010
127	0.169
128	0.222
164	0.461
174	0.008
175	0.050
177	0.302
179	0.004
183	0.140
184	0.026
185	0.206
1123	0.021
1447	0.030
1448	0.115
1449	0.123
1450	0.077
1451	0.041
1452	0.112
1455	0.125
1456	0.015
1457	0.172

(1)	(2)	(1)	(2)
1466	0.058	1754	0.160
1467	0.120	1770	0.048
1468	0.150	1771	0.168
1469	0.026	1772	0.064
1582	0.073	1789	0.004
1585	0.006	1790	0.376
1586	0.112	1892	0.010
1587	0.125	1906	0.380
1589	0.030	1907	0.016
1590	0.115	1943	0.180
1591	0.030	1944	0.008
1592	0.077	1948	0.320
1594	0.081	1950	0.012
1595	0.190	2001	0.010
1600	0.152	2002	0.030
1601	0.115	2003	0.240
1602	0.136	2010	0.028
1603	0.041	2012	0.081
1609	0.018	2013	0.056
1610	0.159	2014	0.040
1612	0.153	2015	0.095
1629	0.041	2017	0.030
1631	0.181	2046	0.081
1635	0.211	2048	0.025
1636	0.008	2049	0.029
1641	0.050	2050	0.050
1642	0.090	2051	0.030
1643	0.030	2054	0.016
1644	0.405	2083	0.200
1646	0.100		योग . . 10.032
1647	0.088		शासकीय
1648	0.132	1793	0.041
1697	0.154	1950	0.020
1698	0.060		योग . . 0.061
1729	0.030		कुल योग . . 10.093
1735	0.050		
1736	0.258	(2)	सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—बाणसागर
1738	0.004		परियोजना के अन्तर्गत पुरवा टेल माइनर के अन्तर्गत आने
1739	0.020		वाली निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सम्पत्तियों के
1740	0.200		अर्जन हेतु.
1741	0.004	(3)	भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण प्रशासक, बाणसागर
1742	0.200		परियोजना रीवा के कार्यालय में किया जा सकता है.
1743	0.008		
1753	0.232		मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, नीरज श्रीवास्तव, प्रशासक एवं पदेन उपसचिव.

उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर

जबलपुर, दिनांक 4 जनवरी 2013

क्र. 17-गोपनीय-2013-दो-2-1-2013 (भाग-बी).—भारतीय संविधान के अनुच्छेद 229 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय, उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, निम्न सारणी के स्तम्भ (2) में उल्लेखित उच्च न्यायिक सेवा के अधिकारी को, निम्न सारणी के स्तम्भ (3) में अंकित स्थान से स्थानांतरित कर स्तम्भ (4) में अंकित स्थान पर एवं स्तम्भ (5) में उल्लेखित पद पर, उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से पदस्थ करते हैं:—

सारणी

क्रमांक	नाम	कहां से	कहां को	पदस्थापना के संदर्भ में टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	श्री प्रदीप कुमार व्यास, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, न्यायिक अधिकारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जबलपुर.	जबलपुर	जबलपुर	द्वितीय संकाय सदस्य (Second Faculty Member), न्यायिक अधिकारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जबलपुर की हैसियत से नवनिर्मित पद पर.

माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय के आदेशानुसार,
सुभाष काकडे, रजिस्ट्रार जनरल.

जबलपुर, दिनांक 2 जनवरी 2013

क्र. 03-गोपनीय-2013-दो-3-250-57 (भाग-31).—भारतीय संविधान के अनुच्छेद 235 सहपठित सिविल कोर्ट्स एक्ट, 1958 की धारा 8 की उपधारा (1) एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 11 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर द्वारा निम्न न्यायिक अधिकारी को, जिनका नाम निम्न सारणी के स्तम्भ क्रमांक (2) में अंकित है और जिन्हें मध्यप्रदेश शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, भोपाल के आदेश क्रमांक फा. 3(बी) 6-2011-इक्कीस-ब(एक), (अनुपूरक सूची क्रमांक-01), दिनांक 23 अक्टूबर, 2012 द्वारा अस्थायी तौर से (दो वर्ष की परीक्षा अवधि पर) मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा, में व्यवहार न्यायाधीश, वर्ग-2 (प्रवेश स्तर) में नियुक्त किया गया है, उनके नाम के समक्ष स्तम्भ क्रमांक (3) में दर्शाये स्थान पर एवं स्तम्भ क्रमांक (4) में अंकित व्यवहार न्यायाधीश, वर्ग-2 के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश तथा न्यायिक दण्डाधिकारी, द्वितीय श्रेणी की हैसियत से उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से पदस्थ किया जाता है :—

सारणी

क्रमांक	नाम	प्रशिक्षण हेतु पदस्थापना का स्थान	न्यायालय का नाम जिसके अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त एवं पदस्थ
(1)	(2)	(3)	(4)
1	श्री वरूण चौहान	जबलपुर	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, वर्ग-2, जबलपुर के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश (ट्रेनी जज).

जबलपुर, दिनांक 3 जनवरी, 2013

क्र. 11-गोपनीय-2013-दो-2-1-2013 (भाग-ए).—भारतीय संविधान के अनुच्छेद 235 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश निम्नलिखित जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को निम्न सारणी के स्तम्भ (3) में निर्दिष्ट स्थान से स्तम्भ (4) में

निर्दिष्ट स्थान में स्थानांतरित कर स्तम्भ (6) में निर्दिष्ट सिविल जिले के लिये जिला न्यायाधीश की हैसियत से उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से पदस्थ करता है। साथ ही दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 9 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, उन्हें उनके नाम के समक्ष सारणी के स्तम्भ (5) में निर्दिष्ट सत्र खण्ड के लिये उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से सत्र न्यायालय में सत्र न्यायाधीश की हैसियत से नियुक्त करता है :—

सारणी

क्र.	नाम	कहां से	कहां को	पदस्थापना के जिले का नाम	न्यायालय में पदस्थापना के संदर्भ में टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	श्री हौसला प्रसाद सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उमरिया.	उमरिया	सागर	सागर	सिविल जिला, सागर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सागर की हैसियत से रिक्त न्यायालय में.
2.	श्री अरविन्द मोहन सक्सेना, विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, रायसेन.	रायसेन	उमरिया	उमरिया	सिविल जिला, उमरिया जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उमरिया की हैसियत से श्री हौसला प्रसाद सिंह के स्थान पर.

क्र. 13-गोपनीय-2013-दो-2-1-2013 (भाग-ए).—भारतीय संविधान के अनुच्छेद 235 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, निम्न सारणी के स्तम्भ क्रमांक (2) में दर्शित न्यायिक अधिकारी का निलंबन उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, आदेश क्रमांक 914-C.J.-II-356, dated the 3rd January 2013 द्वारा खंडित (Revoke) होने के फलस्वरूप उन्हें निम्न सारणी के स्तम्भ (3) में निर्दिष्ट स्थान से स्तम्भ (4) में निर्दिष्ट स्थान में स्थानांतरित कर स्तम्भ (6) में निर्दिष्ट सिविल जिले के लिये जिला न्यायाधीश की हैसियत से उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से पदस्थ करता है। साथ ही दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 9 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, उन्हें उनके नाम के समक्ष सारणी के स्तम्भ (5) में निर्दिष्ट सत्र खण्ड के लिये उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से सत्र न्यायालय में सत्र न्यायाधीश की हैसियत से नियुक्त करता है :—

सारणी

क्र.	नाम	कहां से	कहां को	पदस्थापना के जिले का नाम	न्यायालय में पदस्थापना के संदर्भ में टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	श्री कैलाश चन्द्र गर्ग,	ग्वालियर	अशोकनगर	अशोकनगर	सिविल जिला, अशोकनगर. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अशोकनगर. की हैसियत से कुमारी भारती बघेल के स्थान पर.

उच्च न्यायालय के आदेशानुसार,
सुभाष काकडे, रजिस्ट्रार जनरल.

Jabalpur, the 3rd January 2013

No. 914-C.J.-II-356.—In exercise of powers conferred under Article 235 of the Constitution of India, the High Court as Disciplinary Authority is pleased to Revoke Suspension Order No. 2047, dated the 2nd October 2010 of Shri K.C. Garg, the than District & Sessions Judge, Indore with immediate effect.

The period of suspension shall be treated as on duty for all purposes.

By order of the High Court,

M. K. MUDGAL, Principal Registrar (Inspection & Vigilance).

जबलपुर, दिनांक 4 जनवरी 2013

क्र. C-90-दो-2-57-2012.—श्री यू. एस. दुबे, डिप्टी रजिस्ट्रार (ज्युडिशियल-1), उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 21 जनवरी 2013 से 8 फरवरी 2013 तक दोनों दिन सम्मिलित करके उन्नीस दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

अवकाश से लौटने पर श्री यू. एस. दुबे, डिप्टी रजिस्ट्रार (ज्युडिशियल-1), उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री यू. एस. दुबे, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो डिप्टी रजिस्ट्रार (ज्युडिशियल-1) के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-92-दो-3-10-2012.—श्री एन. के. जैन, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 15 से 18 जनवरी 2013 तक दोनों दिन सम्मिलित करके चार दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है। साथ ही अवकाश के पूर्व में दिनांक 12 से 14 जनवरी 2013 तक के तथा पश्चात् में दिनांक 19 से 20 जनवरी 2013 तक के सार्वजनिक अवकाश का लाभ उठाने की अनुमति प्रदान की जाती है।

अवकाश से लौटने पर श्री एन. के. जैन, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री एन. के. जैन, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो ओ. एस. डी. के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-94-दो-2-59-2012.—श्री एस. एस. परमार, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 27 से 31 दिसम्बर 2012 तक दोनों दिन सम्मिलित करके पांच दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

अवकाश से लौटने पर श्री एस. एस. परमार, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री एस. एस. परमार, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो ओ. एस. डी. के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-98-दो-3-10-2012.—श्री एन. के. जैन, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 24 से 27 दिसम्बर 2012 तक दोनों दिन सम्मिलित करके चार दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

अवकाश से लौटने पर श्री एन. के. जैन, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री एन. के. जैन, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो ओ. एस. डी. के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-101-दो-2-9-2012.—श्री नवीन कुमार सक्सेना, रजिस्ट्रार (न्यायिक-2), उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 19 नवम्बर से 7 दिसम्बर 2012 तक दोनों दिन सम्मिलित करके उन्नीस दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

अवकाश से लौटने पर श्री नवीन कुमार सक्सेना, रजिस्ट्रार (न्यायिक-2), उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री नवीन कुमार सक्सेना, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो रजिस्ट्रार (न्यायिक-2) के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-103-दो-2-34-2012.—श्री आर. सी. श्रीवास्तव, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 26 से 29 दिसम्बर 2012 तक चार दिन का शीतकालीन अवकाश एवं दिनांक 30 दिसम्बर 2012 से 4 जनवरी 2013 तक, छह दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है। साथ ही अवकाश के पूर्व में दिनांक 25 दिसम्बर 2012 के सार्वजनिक अवकाश का लाभ उठाने की अनुमति प्रदान की जाती है।

अवकाश से लौटने पर श्री आर. सी. श्रीवास्तव, ओ. एस. डी., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री आर. सी. श्रीवास्तव, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो ओ. एस. डी. के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-109-दो-3-76-98.—श्री आर. पी. पाण्डे, रजिस्ट्रार (ई), उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 01 से 07 दिसम्बर 2012 तक दोनों दिन सम्मिलित करके सात दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

अवकाश से लौटने पर श्री आर. पी. पाण्डे, रजिस्ट्रार (ई), उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री आर. पी. पाण्डे, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो रजिस्ट्रार (ई) के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-109-दो-3-102-2000.—श्री बी. डी. राठी, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, उच्च न्यायालय, ग्वालियर खण्डपीठ, ग्वालियर को दिनांक 24 से 28 दिसम्बर 2012 तक, पांच दिन अर्जित अवकाश तथा दिनांक 29 से 31 दिसम्बर 2012 तक, तीन दिन का शीतकालीन अवकाश स्वीकृत किया जाता है। साथ ही अवकाश के पूर्व में दिनांक 23 दिसम्बर 2012 के एवं पश्चात् में दिनांक 1 जनवरी 2013 के सार्वजनिक अवकाश का लाभ उठाने की अनुमति प्रदान की जाती है।

अवकाश से लौटने पर श्री बी. डी. राठी, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, उच्च न्यायालय, ग्वालियर, खण्डपीठ, ग्वालियर को ग्वालियर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री बी. डी. राठी उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो प्रिंसिपल रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-113-दो-2-16-2010.—श्री रामकुमार चौबे, ओ. एस. डी., जे. ओ. टी. आर. आई., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को दिनांक 26 से 27 सितम्बर 2012 तक, दिनांक 1 अक्टूबर 2012 का एवं दिनांक 1 दिसम्बर 2012 का कुल चार दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

अवकाश से लौटने पर श्री रामकुमार चौबे, ओ. एस. डी., जे. ओ. टी. आर. आई., उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर को जबलपुर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

अर्जित अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री रामकुमार चौबे, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो ओ. एस. डी. के पद पर कार्यरत रहते।

क्र. C-115-दो-3-10-2006.—श्री बी. एस. परमार, जिला न्यायाधीश (सतर्कता एवं निरीक्षण), ग्वालियर को दिनांक 30 अक्टूबर 2012 से 9 नवम्बर 2012 तक दोनों दिन सम्मिलित करके ग्यारह दिन का कम्प्यूटेड अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

अवकाश से लौटने पर श्री बी. एस. परमार, जिला न्यायाधीश (सतर्कता एवं निरीक्षण), ग्वालियर को ग्वालियर पुनः पदस्थापित किया जाता है।

कम्प्यूटेड अवकाशकाल में उन्हें अवकाश वेतन तथा भत्ता उसी दर से देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के तत्काल पूर्व मिलता था।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री बी. एस. परमार, उपरोक्तानुसार अवकाश पर नहीं जाते तो जिला न्यायाधीश (सतर्कता एवं निरीक्षण) के पद पर कार्यरत रहते।

उच्च न्यायालय के आदेशानुसार,
एस. के. साहा, रजिस्ट्रार.

राज्य शासन के आदेश

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला खण्डवा, मध्यप्रदेश एवं
पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

खण्डवा, दिनांक 16 जनवरी 2013

भू-अर्जन प्र. क्र. 1अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—भराड़ी रैयत
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.510 हैक्टर.

खसरा नम्बर	रकबा (हैक्टर में)
(1)	(2)
48/4	1.510
योग . .	1.510

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एनएचडीसी, हरसूद (खण्डवा) एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 2अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए

आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—मोही रैयत
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.336 हैक्टर.

खसरा नम्बर	रकबा (हैक्टर में)
(1)	(2)
19/1	0.570
30/5	0.166
134/1	0.600
योग . .	1.336

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एनएचडीसी, खण्डवा क्रमांक 4 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 01-अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—कुक्सी—रैयत

(घ) लगभग क्षेत्रफल—6.83 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
15/2	0.61
74/1	1.20
74/2	0.25
75/2	0.14
75/4	0.30
79/4	0.14
87/3	1.13
87/4	1.06
207/1	0.02
207/2	0.88
207/3	0.40
217/1	0.60
218/1	0.10
योग . . 6.83	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 02-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—गंभीर—सरकूलर

(घ) लगभग क्षेत्रफल—12.91 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
465/1	1.29
469	0.48
470	0.42
487/1	0.72
492/1	2.27
493/1	0.23
494/1	0.67
495	1.80
496/1	0.97
538/1	1.55
538/2	0.85
539/1	1.16
539/2	0.50
योग . . 12.91	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 03-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—पिपलानी

(घ) लगभग क्षेत्रफल—12.94 हेक्टेयर.

क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

सर्वे
नम्बर
(1)

अर्जनीय रकबा
(हेक्टेयर में)
(2)

1/1	0.34
1/2	0.87
1/3	0.88
1/4	0.24
48/1	0.05
48/2	0.18
49	0.43
50/1	0.85
51/1	2.97
51/2	0.12
52/1	0.80
52/2	0.76
52/4	1.20
53/1	0.80
102/1	0.17
102/2	0.43
112/1	0.63
112/2	0.63
113/1	0.59

योग . . 12.94

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 04-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे,

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—इगरिया
(घ) लगभग क्षेत्रफल—2.90 हेक्टेयर.

सर्वे
नम्बर
(1)

अर्जनीय रकबा
(हेक्टेयर में)
(2)

265/3	0.29
265/4	0.28
265/5	0.16
268/1	0.11
269/1	0.09
269/2	0.18
270/1	0.48
271/1	0.51
279/1	0.80

योग . . 2.90

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 05-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—नीमखेड़ा रैयत		
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.34 हेक्टेयर.	(1)	(2)
सर्वे	35	0.14
अर्जनीय रकबा	68/1	0.38
नम्बर (हेक्टेयर में)	68/2	0.37
(1)	68/3	0.39
68/1	71/1	0.26
69	71/2	0.06
योग . .	71/3	0.06
	73/1	0.62
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.	73/2	1.00
	73/3	0.94
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.	78/1	0.49
	78/2	0.40
	79/1	0.05
	117/1	0.06
	263/1	0.38
	योग . .	7.31

भू-अर्जन प्र. क्र. 06-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—डोटखेड़ा-रैयत
(घ) लगभग क्षेत्रफल—7.31 हेक्टेयर.

सर्वे	अर्जनीय रकबा
नम्बर	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
19/1	0.65
23	0.58
24	0.08
27	0.07
34	0.33

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 07-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—सातरी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.65 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
257/1	0.28
261/1	0.86
272/1	0.51
योग . .	<u>1.65</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 08-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—काशीपुरा
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.33 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
49/1	0.15
49/2	0.18
योग . .	<u>0.33</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 09-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—नंदगांव-रैयत
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.41 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
76/1	0.64
77/1	0.40
131/1	0.15
173/1	0.22
योग . .	<u>1.41</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 10-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—चारखेड़ा-रैयत
(घ) लगभग क्षेत्रफल—10.88 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
60/1	0.34
166/1	0.40
167/1	0.25
172/1	0.05
173/1	0.21
174	0.22
175/1	0.14
176/1	0.41
187/1	0.10
187/4	0.36
187/5	0.85
188	0.30
221/1	0.07
221/3	0.46
221/4	0.17
221/5	0.26
226/1	1.25
227/1	0.32
236/1	0.85
236/2	0.88
236/3	0.63
236/4	0.27
240/2	0.26
240/3	0.58

(1)	(2)
240/4	0.70
240/5	0.55
योग . .	10.88

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 11-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—सेमरूढ़-रैयत
(घ) लगभग क्षेत्रफल—25.22 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
33/1	0.90
41/1	0.68
41/2	0.30
42/1	0.67
49/1	1.86
49/2	1.86
50/1	0.02
50/2	0.64
50/3	1.86

(1)	(2)
51/1	0.46
52/1	0.34
64/2	0.67
67/1	0.16
67/2	0.70
70/1	1.82
70/3	1.12
71/1	0.50
94/1	0.63
95/1	0.25
96/2	1.11
97/1	1.56
121/1	0.35
121/2	0.19
121/3	0.30
123/1	0.75
123/3	0.67
123/4	0.66
123/5	0.66
128/2	0.12
128/3	0.65
128/4	0.17
129/1	0.48
136/1	0.80
137/1	0.51
149/1	0.25
203/1	0.55
योग . .	<u>25.22</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 16-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए

आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—डन्डा
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.75 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	अर्जनी रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
102/1	0.69
242/1	0.06
योग . .	<u>0.75</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 21-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा

		(1)	(2)
(ग) ग्राम—नंदाना			
(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.92 हेक्टेयर.			
सर्वे	अर्जनीय रकबा	250/2	0.20
नम्बर	(हेक्टेयर में)	251	0.42
(1)	(2)	255/2	0.15
164/1	0.05	321/1	1.70
398/1	2.37	323/1	0.33
398/2	1.11	329	0.17
401/2	0.39	334	1.80
योग . . 3.92		346/1	2.32
		349/1	0.42
		350/2	2.21
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा		350/3	1.25
सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर		350/4	1.41
पर डूब में आने के कारण.		350/5	1.33
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय,		350/6	0.47
भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा		350/7	1.62
एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13,		350/8	0.90
खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन		योग . .	17.27
समय में किया जा सकता है.			

भू-अर्जन प्र. क्र. 22-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—टिटवास
(घ) लगभग क्षेत्रफल—17.27 हेक्टेयर.

सर्वे	अर्जनीय रकबा
नम्बर	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
241/2	0.37
249/2	0.20

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 11-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—बड़खालिया

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—9.86 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
72/3	0.40	कृषि भूमि एवं उस पर स्थित परिसंपत्तियां
73/1	0.14	
84/2	0.07	
278/1	0.35	
317/1	0.80	
320/1	1.00	
329/5	0.42	
337/2	0.53	
338	0.97	
339/1	0.12	
659/3	0.40	
660/1	0.28	
668/1	0.11	
669/1	0.05	
672/1	0.05	
673/1	0.14	
675/1	0.18	
679/1	0.12	
679/2	0.57	
680/1	0.63	
680/2	0.48	
680/3	0.30	
680/4	0.12	
685/1	0.60	
686/1	0.36	
687/1	0.27	
688/3	0.15	
689/3	0.25	
योग . . 9.86		

भू-अर्जन प्र. क्र. 15-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—बड़गांवमाल
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—6.36 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
58/1	0.04	कृषि भूमि एवं उस पर स्थित परिसंपत्तियां
66	0.30	
67/1	0.90	
70/1	0.17	
125	0.55	
126/1	0.26	
126/2	0.18	
127/1	0.55	
128/1	0.31	
129/1	0.03	
129/3	0.10	
142/1	1.01	
142/4	0.22	
145/1	0.22	
145/5	1.52	
योग . . 6.36		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी., कलेक्टर, खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी., कलेक्टर, खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 16-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—जूनापानी
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—5.91 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
74/1	2.89	कृषि भूमि एवं उस
112/1	0.33	पर स्थित परिसंपत्तियां
150/1	0.04	
151	0.04	
152/2	0.02	
250/1	0.05	
266	0.03	
267	0.05	
268	0.03	
284/1	0.05	
289/1	0.18	
349/1	0.21	
350/1	0.26	
350/2	0.83	
381/1	0.12	
381/2	0.10	
381/3	0.13	
381/4	0.08	
382/2	0.34	
383/2	0.13	
योग . .		5.91

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 17-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—ब्रम्होग्राम
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—4.45 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
185/1	0.16	कृषि भूमि एवं उस
185/2	0.29	पर स्थित परिसंपत्तियां
185/3	0.18	
189/2	0.23	
209/1	0.31	
210/3	0.49	
286	0.81	
305/1	0.50	
305/2	0.71	
313/3	0.77	
योग . .		4.45

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 22-अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—ब्रम्होग्राम (आबादी भूमि)
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—2537.00 वर्गमीटर

खसरा नम्बर	रकबा (वर्गमीटर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
76, 80, 231, 232, 233, 234	1617.00	आबादी भूमि एवं उस पर स्थित परिसंपत्तियां
182, 183	920.00	

योग . . 2537.00

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 23 अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1)

तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—गुरांवा
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—9.03 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
43	0.20	कृषि भूमि एवं उस
47/2	1.10	पर स्थित परिसंपत्तियां
47/3	0.15	
48/1	0.13	
48/3	0.12	
56/2	0.08	
60/1	0.34	
66/1	0.30	
70/1	0.15	
242/1	0.38	
242/2	0.70	
252/2	0.15	
252/3	0.43	
253/2	0.13	
259/2	0.11	
261/1	0.23	
261/2	0.35	
262/2	0.70	
262/3	0.77	
263/1	0.23	
263/2	0.07	
263/3	0.14	
264/1	0.26	
272/1	1.65	
276/1	0.16	

योग . . 9.03

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 24 अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—भँवरली
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—2.73 हेक्टर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
36	0.47	कृषि भूमि एवं उस पर
38/1	0.22	स्थित परिसंपत्तियां.
39/1	0.44	
42/1	0.46	
79	0.32	
80	0.09	
82/1	0.11	
82/2	0.62	
योग . . 2.73		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 25 अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम

की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—धनवानीमाफी
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—17.22 हेक्टर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
3/5	0.45	कृषि भूमि एवं उस पर
6/1	0.67	स्थित परिसंपत्तियां.
58/3	0.15	
60/2	0.15	
60/3	0.10	
67/1	0.40	
67/2	0.40	
68/1	0.30	
68/2	0.27	
68/3	0.75	
68/4	0.15	
68/5	0.20	
68/6	0.20	
69/1	0.04	
69/2	0.07	
69/3	0.06	
74/1	0.10	
75/3	0.77	
124/1	0.33	
126/1	0.47	
127/1	1.02	
489/1	0.74	
495/1	0.24	
496/1	0.23	
496/3	0.20	
496/4	0.22	
496/5	0.22	
496/6	0.23	
496/7	0.20	
497/1	0.04	
497/3	0.14	
497/4	0.14	
497/5	0.10	

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
498/1	0.10		118/2	0.38	
498/2	0.09		119/2	0.22	
498/3	0.06		119/3	0.25	
498/4	0.03		119/4	0.12	
503/1	0.15		119/5	0.05	
542/1	0.80		125/4	0.08	
542/2	0.08		125/5	0.06	
542/5	0.35		134/2	1.38	
542/6	0.20		135/1	0.60	
601/1	1.91		135/2	0.85	
601/2	2.11		136/1	0.82	
601/3	0.71		137/1	0.47	
607/1	0.51		139/2	0.40	
607/2	0.37		142/1	0.10	
योग . . 17.22			142/2	0.45	
			142/3	0.15	
			142/4	0.12	
			149/1	0.18	
			150/1	0.20	
			150/2	0.15	
			151/2	0.23	
			151/5	0.18	
			151/7	0.29	
			151/8	0.40	
			151/9	0.80	
			155/1	0.80	
			156/1	1.72	
			योग . . 12.53		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी क्र. 1 एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 26-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—लहाड़पुर रैयत

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—12.53 हेक्टर.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
91/4	0.08	कृषि भूमि एवं उस पर
107/1	0.40	स्थित परिसंपत्तियां.
117	0.30	
118/1	0.30	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 27-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की

धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—दगड़खेड़ी

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—12.06 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
24/1	0.04	कृषि भूमि एवं उस पर स्थित परिसंपत्तियां.
25/1	0.67	
26/1	0.29	
28/1	0.20	
28/3	0.20	
35/1	0.36	
35/2	0.30	
35/3	0.23	
35/4	0.10	
38/4	0.08	
40/1	0.12	
41/1	0.25	
42/1	0.28	
43/1	0.10	
75/1	0.02	
86/4	0.48	
89/1	0.05	
119/1	0.55	
123/1	0.33	
128/1	1.30	
130/1	0.10	
130/2	0.02	
131/1	0.04	
132	0.06	
159	0.14	
160/1	0.32	
178/1	0.22	
178/2	0.65	
192/1	0.79	
200/2	0.15	
200/3	0.12	
201/3	0.12	
202/1	0.32	
225/1	0.22	
239/1	0.08	
239/2	0.18	
239/3	0.08	

(1)	(2)	(3)
299/2	0.03	
304/2	0.05	
314/4	0.20	
345/1	0.30	
345/2	0.18	
351/1	0.14	
352	0.35	
360/1	0.25	
363/1	0.41	
369/1	0.29	
370/1	0.30	
योग . .		12.06

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी क्र. 1 एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 28-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) ग्राम—प्रतापपुरा

(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—2.04 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
91/2	0.04	कृषि भूमि एवं उस पर स्थित परिसंपत्तियां.
93/1	0.13	
93/3	0.03	
93/4	0.04	
157/1	0.32	
164/1	0.31	

(1)	(2)	(3)
166/1	0.20	
196/1	0.75	
197	0.04	
313	0.10	
315	0.08	
योग . . 2.04		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी क्र. 1 एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 29-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—लछौरामाल
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—11.09 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
66/1	2.25	कृषि भूमि एवं उस पर
66/2	0.23	स्थित परिसंपत्तियां.
66/3	0.65	
66/4	0.40	
66/5	0.37	
66/6	0.10	
66/7	0.22	
69/2	0.63	
70/1	1.05	
72/1	0.62	
72/2	0.71	
72/4	0.11	
73/3	0.16	
73/5	0.06	
84/1	0.04	

(1)	(2)	(3)
142/3	0.35	
143/1	1.13	
178/2	0.55	
183/1	0.28	
183/2	0.35	
198/1	0.06	
198/3	0.75	
198/4	0.02	
योग . . 11.09		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी क्र. 1 एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 30-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—सौनपूरा रैयत
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—0.57 हेक्टेयर.

खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
56/1	0.12	कृषि भूमि एवं उस
156/1	0.45	पर स्थित परिसंपत्तियां
योग . . 0.57		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी क्र. 1 एन.एच.डी.सी. कले., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 01-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—नवलपुरामाल
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.20 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
57/2	0.40
59/1	0.25
66/1	0.25
110/5	0.30
योग : 1.20	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 02-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—सुरवाड़िया
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.77 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
112/3	0.42
114/2	0.35
योग : 0.77	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 03-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—खण्डवा
(ग) ग्राम—सुरगांवबंजारी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.62 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
707/2	0.44
708/1	0.18
योग : 0.62	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 04-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—खण्डवा
(ग) ग्राम—बलदुआडोंगरी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.36 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
59	0.19
60	0.17
योग : 0.36	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 05-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
- (ख) तहसील—पुनासा
- (ग) ग्राम—रिछीमाफी
- (घ) लगभग क्षेत्रफल—3.83 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
47/3	0.11
48/1	0.50
51/1	0.35
143/1	0.30
158/1	0.46
161/1	0.11
162	0.35
207/1	0.75
208/1	0.10
216/1	0.40
217/1	0.40
योग : 3.83	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 06-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
- (ख) तहसील—हरसूद
- (ग) ग्राम—सेल्दामाल
- (घ) लगभग क्षेत्रफल—1.64 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
38/1	0.32
38/3	0.32
183/1	0.47
182/1	0.37
129/2	0.10
130/3	0.06
योग : 1.64	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 07-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—बोरखेड़ाकला
(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.83 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
64/1	0.07
66/1	0.51
66/2	0.24
68/1	0.36
68/2	0.05
68/5	0.27
70/1	0.04
70/3	0.13
91/1	0.08
92/1	0.13
93/3	0.03
93/4	0.08
95/1	0.06
95/2	0.07
95/3	0.08
97/2	0.04
97/3	0.23
105/1	0.30
106/2	0.27
106/3	0.34
106/4	0.40
106/5	0.05

योग : 3.83

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 08-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—बेढ़ानी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.56 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)	रिमार्क
(1)	(2)	(3)
140/2	0.16	..
140/4	0.40	
योग : 0.56		

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 09-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—चिकटीखाल
(घ) लगभग क्षेत्रफल—4.01 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
210/1	0.12
210/3	0.28
210/4	0.31
210/5	0.10
211/1	0.05
212/3	0.04
212/4	0.08
212/5	0.19
213/1	0.58
213/3	1.35
214/1	0.20
222/1	0.04
222/3	0.15
222/4	0.22
232/1	0.30
योग : 4.01	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 10-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—चांदेल
(घ) लगभग क्षेत्रफल—9.34 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
152/3	0.30
154/1	0.10
169/1	0.60
153	0.97
199/1	1.00
200/1	0.87
201/1	0.73
202/1	0.74
205/1	0.47
205/2	0.15
206/1	0.15
207/1	0.03
208/1	0.14
208/2	0.18
223/1	0.18
209/1	0.25
210/2	0.04
226/1	0.66
210/1	0.28
212	0.67
213/1	0.20
215/1	0.08
215/2	0.08
216/2	0.22
225/3	0.25

योग : 9.34

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 01-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—बेड़ियाव

(घ) लगभग क्षेत्रफल—2910.00 वर्गमीटर (आबादी भूमि).

सर्वे नंबर (1)	अर्जनीय रकबा (वर्गमीटर में) (2)
76/3क, 3ख, 3ग	2843.00
76/4क. 4ख	67.00
योग :	<u>2910.00</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 02-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—बेड़ियाव
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.11 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर (1)	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में) (2)
104	0.03
105	0.02
99/1	1.03
103	0.03

योग : 1.11

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 03-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—सीवर
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.86 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
5	0.19
8/1	0.12
29/1	0.05
37/1	0.50

योग : 0.86

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 04-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—भगवानपुरा
(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.98 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
153/1	0.16
153/2	0.06
153/4	0.70
237/3	0.07
241/2	0.40
241/3	0.05
343	0.07
360/1	0.06
360/3	0.01
360/2	0.20
360/4	0.20

योग : 1.98

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 03-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) ग्राम—झागरियामाल
(घ) अर्जनीय क्षेत्रफल—1.74 हेक्टेयर.

खसरा नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)	विवरण
(1)	(2)	(3)
54/1	0.06	कृषि भूमि एवं
62/1	0.27	उस पर स्थित
129/1	0.16	परिसंपत्तियां
250	0.13	
251/1	0.21	
252/1	0.12	
253/1	0.03	
254/1	0.03	
256/1	0.26	
256/3	0.02	
261/1	0.11	
330/1	0.14	
330/3	0.20	
योग : 1.74		

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, क्र. 1, एन. एच. डी. सी., कलेक्टर, खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 04-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—किल्लोद, प.ह.नं. 10
(घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—2.01 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
456/1 में से	0.05
456/2 में से	0.06
456/3 में से	0.07
456/4 में से	0.45
506/1 में से	0.28
508/2 में से	1.10
योग : 2.01	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा, क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 05-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—पुनासा

(ग) ग्राम—बंजारी

(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.60 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
58/2	0.30
58/9	1.24
70/1	0.38
70/2	0.30
82/3	0.64
82/5	0.74
योग : <u>3.60</u>	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 06-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—पुनासा

(ग) ग्राम—गुलगांवैरयत

(घ) लगभग क्षेत्रफल—13.51 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
9/1	0.65
30/1	0.51
32/1	0.47
32/2	0.92
32/3	0.70
32/4	0.27
167/2	1.58
168/1	0.64
168/2	0.95
169/1	1.58
209/1	0.73
210/1	1.19
211/1	0.37
211/2	0.50
212/1	1.40
298	0.10
169/2	0.59
206	0.36
योग : <u>13.51</u>	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 07-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—पूरनी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—10.38 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
126/2 क	0.47
126/2 ख	0.30
695/2	1.05
696/2	0.83
698	0.20
703/2	0.23
708/1	1.17
716/1	0.40
717/1	0.72
717/2	0.78
717/3	0.85
717/4	0.80
718/1	0.75
718/3	0.72
718/4	0.52
757/1	0.30
758/1	0.12
758/2	0.17
योग : 10.38	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 08-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—पुनासा
(ग) ग्राम—बिजोरामाफी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.74 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	अर्जनीय रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
3/2/क	0.07
3/4/क	0.20
5/1	0.03
6/1/क	0.44

योग : 0.74

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कार्यालय, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 05-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
- (ख) तहसील—हरसूद
- (ग) नगर/ग्राम—अंबाखाल, प. ह. नं. 14
- (घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—2.84 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
131/1 में से	0.10
132/1 में से	0.52
137/1	0.05
216/1	0.92
218/1	0.53
219/1 में से	0.72

योग : 2.84

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 06-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
- (ख) तहसील—हरसूद
- (ग) नगर/ग्राम—मालूद, प. ह. नं. 13
- (घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—1.50 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
123/2	0.43
128/1	0.17
128/2	0.23
128/5 में से	0.22
140/1 में से	0.45
योग : 1.50	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 07-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—कड़ोली, प.ह.नं. 19/20
(घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—0.97 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
27/1 में से	0.40
39/1 में से	0.13
40 में से	0.10
41 में से	0.12
194 में से	0.22
योग : 0.97	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 08-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—धनोरा, प.ह.नं. 19/20
(घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—4.87 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
8/1 में से	0.07
8/3 में से	0.07
18/1	0.27
19/1 में से	0.25
19/3 में से	0.05
20/1 में से	0.25
21/1 में से	0.08
21/3	0.05
21/4 में से	0.14
250/1	0.96
250/2	0.93
250/3	0.91
250/4	0.84

योग : 4.87

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 09-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
- (ख) तहसील—पुनासा
- (ग) नगर/ग्राम—सोमगांवकला, प.ह.नं. 81
- (घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—1.00 हेक्टेयर.

खसरा नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
464/1	1.00
योग : 1.00	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 13-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
- (ख) तहसील—हरसूद
- (ग) नगर/ग्राम—बोधियाखुर्द, प.ह.नं. 29
- (घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—0.15 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
28/1 में से	0.15
योग : 0.15	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 14-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—लहाड़पुरमाल, प.ह.नं. 16
(घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—2.33 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
219/1 में से	0.18
221 में से	1.16
222/1	0.57
222/2 में से	0.42

योग : 2.33

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 16-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—चीच रैयत, प.ह.नं. 19/20
(घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—12.13 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
16/1	0.19
27/1	0.54
38/1 में से	0.06
38/2 में से	0.18
38/3	0.19
39/1 में से	0.37
39/2 में से	0.33
41/1 में से	0.67
42/2	1.25
42/3 में से	0.32
43/1 में से	0.08
43/2 में से	0.16
44/1 में से	0.36
48/1 में से	0.20
64/1 में से	0.08
64/4 में से	0.17
64/5 में से	0.18
66/1 में से	0.33
66/2 में से	0.42
84/2 में से	0.66
84/5 में से	0.23
84/7 में से	0.10
85/1 में से	0.13
85/7 में से	0.55
85/8 में से	0.45

(1)	(2)
85/9 में से	0.37
86/1 में से	0.57
87/1	0.31
87/2 में से	0.06
87/3 में से	0.23
87/4 में से	0.35
101/1	0.35
102/1	0.66
102/3 में से	0.43
103/3 में से	0.15
104/2 में से	0.45

योग : 12.13

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

भू-अर्जन प्र. क्र. 16-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—झींगाधड़, प.ह.नं. 15
(घ) लगभग क्षेत्रफल (कृषि भूमि)—15.58 हेक्टेयर.

सर्वे नंबर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
66/1	0.48
105/1	0.05

(1)	(2)
106/1 में से	0.07
107/1 में से	0.07
107/2 में से	0.32
108/1 में से	0.25
108/2 में से	0.06
112/1 में से	0.09
113 में से	0.06
124/1 में से	0.20
146/2 में से	0.12
146/3 में से	0.24
149/3 में से	0.27
158/1 में से	1.64
163/1 में से	0.68
164/1 में से	0.48
168/1 में से	1.10
168/4 में से	0.34
168/5 में से	0.25
168/6 में से	0.52
168/7	1.00
173/1 में से	0.17
173/4 में से	0.21
173/9 में से	0.15
180/1 में से	0.26
180/2 में से	1.11
181/2 में से	0.45
195/1	0.34
202/3	0.30
202/5	1.50
205/1 में से	1.66
221/1 में से	0.42
223/1	0.62
120/1 में से	0.10

योग : 15.58

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के पूर्ण जलस्तर एवं अधिकतम जलस्तर पर डूब में आने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी., खण्डवा क्र. 2 एवं कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा के कार्यालय में, कार्यालयीन दिवस में, कार्यालयीन समय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 1-अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—हरिपुरामाल
(घ) लगभग क्षेत्रफल—8.57 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
8	0.34
9/1	0.37
9/2	0.23
10/1	0.30
10/2	0.13
10/5	0.40
10/6	0.25
11/1	0.81
18/1	0.15
18/2	0.20
19	1.48
20	0.52
21/1	1.48
21/2	1.11
21/3	0.80
योग : <u>8.57</u>	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी.डब्ल्यू.एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी एन.एच.डी.सी. खंडवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 2-अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—बड़गाव रैयत
(घ) लगभग क्षेत्रफल—4.26 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
97/2	0.60
97/3	1.37
97/4	0.98
97/5	1.30
100/1	0.01
योग : <u>4.26</u>	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी.डब्ल्यू.एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी एन.एच.डी.सी. खंडवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 4-अ-82-2012-13.—चूँकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की

उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—इमलानी

(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.12 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
112/1	0.15
201/1	0.57
238/1	0.40
योग : 1.12	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी.डब्ल्यू.एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी एन.एच.डी.सी. खंडवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 6-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—रेवापुर

(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.98 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
284/1	0.66
276/1	0.12
277/1	0.20
योग : 0.98	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी.डब्ल्यू.एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी एन.एच.डी.सी. खंडवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 7-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—बिल्लोदमाल

(घ) लगभग क्षेत्रफल—2.67 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
101/1	0.94
105	0.78
107	0.23
109	0.35
112	0.37
योग : 2.67	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी.डब्ल्यू.एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खंडवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 9-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—बोरीबांदरी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.42 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
44/2	0.22
45/1	0.20
योग : 0.42	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी.डब्ल्यू.एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खंडवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 10-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक

प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—बरूड़
(घ) लगभग क्षेत्रफल—2.08 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
1/3	0.38
31/1	0.20
40/1	0.18
40/2	0.18
40/3	0.27
49/3	0.12
49/4	0.08
50/3	0.12
92/1	0.27
93/1	0.18
214/1	0.10
योग : 2.08	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी.डब्ल्यू.एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन.एच.डी.सी., खंडवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 12-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त

अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—कसरावद

(घ) लगभग क्षेत्रफल—3.09 हेक्टर.

सर्वे नंबर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
93/2	0.28
40/1	0.85
44/1	0.67
76/1	0.26
77	0.07
157	0.10
165/1	0.09
180/1	0.03
181/1	0.08
182/1	0.16
238/2	0.50

योग : 3.09

तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—पुनासा

(ग) नगर/ग्राम—फेरियाकला

(घ) लगभग क्षेत्रफल—2.43 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्र (हे. में)
(1)	(2)
202/1	0.06
220/3	0.17
227/1	0.47
230/1	0.13
232/1	0.46
233/1	0.14
234/1	0.19
237	0.20
238/1	0.33
294	0.14
295/1	0.07
312/1	0.07
योग . .	2.43

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, कलेक्टर, खण्डवा, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 13, खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी एन.एच.डी.सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अंतर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 13-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1)

प्र. क्र. 14-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1)

तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—डांग

(घ) लगभग क्षेत्रफल—1.32 हेक्टर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
190/1	1.32
योग . .	1.32

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 18-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—पुनासा

(ग) नगर/ग्राम—गेहलगांव

(घ) लगभग क्षेत्रफल—2.38 हेक्टर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
124/1	0.50

(1)

(2)

124/3

0.13

125/1

1.45

126/1

0.30

योग . . 2.38

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 19-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—कसरावद आबादी भूमि

(घ) लगभग क्षेत्रफल—4986.00 वर्गमीटर.

सर्वे

लगभग क्षेत्रफल

नम्बर

(वर्गमीटर में)

(1)

(2)

158/10/1

312.00

160/8

51.00

160/9ख

254.00

162/10/2

385.00

164/11

600.00

166/12

750.00

166/13

750.00

169/3

900.00

251 से 260/14

250.00

(1)	(2)
251 से 260/15	108.00
251 से 260/16	299.00
251 से 260/17	200.00
262 से 270/26	12.50
262 से 270/27	65.00
262 से 270/28	50.00
योग . .	<u>4986.50</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 20-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
- (ख) तहसील—हरसूद
- (ग) नगर/ग्राम—जेतापुरकला
- (घ) लगभग क्षेत्रफल—5.69 हेक्टेयर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
3/1	0.39
4/1	0.37
15/1	0.08
15/2	0.12
18/1	0.16

(1)	(2)
20/1	0.20
31/3	0.14
32/1	0.16
33/1	0.37
47/1	0.08
47/2	0.10
50/1	0.21
60/2	0.14
61/1	0.16
61/2	0.23
63/1	0.14
64/1	0.16
102/1	0.16
104/1	0.16
105	0.04
107	0.32
108/2	0.10
108/3	0.08
109/2	0.08
109/3	0.23
109/5	0.01
109/8	0.18
116/3	0.78
132/1	0.34
योग . .	<u>5.69</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 21-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे,

क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :-

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—बेहड़ी
(घ) लगभग क्षेत्रफल—0.94 हेक्टर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
197	0.07
198	0.50
199	0.07
203	0.30
योग . .	0.94

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 31-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :-

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला—खण्डवा
(ख) तहसील—हरसूद
(ग) नगर/ग्राम—हथनोरा

(घ) लगभग क्षेत्रफल—14.21 हेक्टर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
57/1	1.98
58/3	0.77
58/4	0.52
62/1	0.10
63/1	0.35
64/1	0.19
65/1	0.16
75/1	0.22
77/1	0.07
83/1	0.70
87/1	1.10
88/2	0.04
88/3	0.36
136/1	0.15
215/2	0.55
216/3	0.25
218/1	0.10
218/2	0.42
219/1	0.40
219/2	0.05
294/1	0.05
294/2	0.35
296/2	0.02
297/1	0.08
297/2	0.40
298/1	0.06
309/1	0.23
309/3	0.22
311/1	0.65
312/1	0.38
312/2	0.05
320/1	0.10
323/1	0.52
324/1	0.70
338/1	0.02
345/1	0.20
346/1	0.55
346/2	0.20
346/5	0.15
346/6	0.60
346/7	0.20
योग . .	14.21

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 32-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—पुनासा

(ग) नगर/ग्राम—छाल्पाखुर्द

(घ) लगभग क्षेत्रफल—14.16 हेक्टर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
214/2	0.23
337/1	0.24
380/2	0.09
380/1	0.43
382/2	0.07
382/1	0.44
383/1	1.39
385/1	0.95
385/3	1.20
385/4	1.20
386/1	1.00
386/3	1.22
386/4	1.21
386/5	1.00
387/1	2.46
387/2	1.03
योग . .	<u>14.16</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 33-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—मुगल रैयत

(घ) लगभग क्षेत्रफल—11.61 हेक्टर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
49/1	0.29
49/3	0.70
51/1	0.07
52/1	0.10
55/1	0.11
56/1	0.18
58/1	0.17
58/2	0.18
59/1	0.14
70/1	0.17
81/3	0.40
82/1	0.91
82/2	1.11
83/1	0.06

(1)	(2)
83/2	0.31
84/1	0.24
114/1	0.15
130/1	0.29
131/1	0.70
155/1	0.04
155/3	0.05
156/1	0.04
156/3	0.22
161	0.19
164/1	0.21
165/1	0.16
166/2	0.04
231/1	0.47
232/1	0.67
234/1	0.74
235/1	0.62
236/1	0.41
236/2	1.01
238/1	0.15
240/1	0.31
योग . .	<u>11.61</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

प्र. क्र. 34-अ-82-2012-13.—चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता कि उक्त अधिनियम की धारा 5(क) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1)

तथा उपधारा (4) के उपबंध उसके संबंध में लागू होंगे :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन—

(क) जिला—खण्डवा

(ख) तहसील—हरसूद

(ग) नगर/ग्राम—चिखली

(घ) लगभग क्षेत्रफल—4.93 हेक्टर.

सर्वे नम्बर	लगभग क्षेत्रफल (हे. में)
(1)	(2)
437/1	1.76
438/1	0.46
440/1	1.10
441/1	0.25
444/2	0.07
445/1	0.08
445/2	0.10
445/3	0.07
446/2	0.28
483/3	0.20
483/4	0.15
491/1	0.04
492/1	0.25
492/2	0.12
योग . .	<u>4.93</u>

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है—इंदिरा सागर परियोजना के अन्तर्गत एफ. आर. एल. से एम. डब्ल्यू. एल. के बी. डब्ल्यू. एल. के मध्य डूब से प्रभावित होने के कारण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर खण्डवा, कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-13 खण्डवा एवं भू-अर्जन एवं पुनर्वास अधिकारी, एन. एच. डी. सी. खण्डवा क्रमांक-1 के कार्यालय में किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
नीरज दुबे, कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव.